ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज

सच्ची खबर सबसे पहले

online- jwalaexpress.com

आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

वर्ष - 05, अंक -43 | दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 25 जून से 01 जुलाई (प्रत्येक गुरूवार) | पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

सीएम विष्णुदेव साय का दिल्ली दौरा, नितिन नबीन और जेपी नड्डा से की मुलाकात

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने दिल्ली में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा से शिष्टाचार मुलाकात की।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात के दौरान संगठन से जुड़े विषयों सहित प्रदेश में संगठनात्मक गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा हुई.इस दौरान यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और जनकल्याण के संकल्प को जन-जन तक और अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए संगठन के साथ सरकार के समन्वय को सशक्त बनाने के विषय पर सकारात्मक विचार-विमर्श भी सीएम साय ने राष्ट्रीय अध्यक्ष से किया। इससे पहले सीएम विष्णुदेव साय ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात की. इस दौरान

जनस्वास्थ्य, चिकित्सा अधोसंरचना, औषधि एवं उर्वरक क्षेत्र सहित विभागीय और समसामयिक विषयों पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है. विशेष रूप से दूरस्थ, ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और अन्य चिकित्सा संस्थानों को मजबूत बनाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के नागरिकों को बेहतर उपचार और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं अपने ही राज्य में उपलब्ध हों।

खाद बीज की उपलब्धता पर दी जानकारी

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कृषि और उर्वरक क्षेत्र से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की. उन्होंने केंद्रीय मंत्री को जानकारी दी कि राज्य में किसानों को खाद और बीज की पर्याप्त एवं समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं. सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

राज्य में नैनो यूरिया और डीएपी को मिल रहा बढ़ावा

सीएम साय ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि राज्य सरकार नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के उपयोग को बढ़ावा दे रही है. किसानों को इनके लाभों की जानकारी देने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि खेती में उत्पादन क्षमता बढ़े, लागत कम हो और कृषि अधिक लाभकारी बन सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार भारत सरकार के पूर्ण सहयोग से स्वास्थ्य, कृषि और जनकल्याण के क्षेत्रों में विकास को नई गति देने के लिए निरंतर प्रयासरत है. राज्य के समग्र विकास के लिए केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय को और मजबूत किया जा रहा है। अपने दिल्ली दौरे में सीएम साय ने छत्तीसगढ़ सदन में संघ लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में सफल हुए ट्राइबल यूथ हॉस्टल, द्वारका के विद्यार्थियों से आत्मीय मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया. इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के मेहनतकश परिवारों के सपनों और संघर्ष का सम्मान भी है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इन विद्यार्थियों की सफलता इस बात का सशक्त प्रमाण है कि प्रतिभा कभी भी आर्थिक संसाधनों या पारिवारिक पृष्ठभूमि की मोहताज नहीं होती. किसी के पिता राजमिस्त्री हैं, कोई किसान परिवार से है तो कोई शिक्षक का बेटा है, लेकिन इन सभी ने अपनी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर देश की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षा के प्रथम चरण में सफलता प्राप्त की है.यह पूरे प्रदेश, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से उनकी तैयारी, अध्ययन पद्धति, संघर्ष और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की. विद्यार्थियों ने ट्राइबल यूथ हॉस्टल में उपलब्ध अध्ययन वातावरण, मार्गदर्शन और सुविधाओं के अनुभव साझा किए तथा बताया कि राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए अनुकूल माहौल ने उन्हें बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने का आत्मविश्वास दिया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस दौरान कहा कि समाज के वंचित एवं प्रतिभाशाली युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नई दिल्ली स्थित ट्राइबल यूथ हॉस्टल की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करते हुए सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर 200 कर दी गई है।

भूकंप से थर्राया वेनेजुएला, 10 हजार से अधिक की मौत

काराकास। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आये भूकंप के कारण हुए हादसों में मरने वालों की तादाद 164 हो गयी है, जबकि करीब 971 लोग घायल हुए हैं। इस हादसे में हताहत लोगों की संख्या हजारों में होने का भी अनुमान लगाया जा रहा है। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने हादसे की व्यापकता को देखते हुए देश में इमरजेंसी लगा दी है।

अमेरिकी संस्था यूएसजीएस ने बताया दो भूकंप वेनेजुएला के मोरोन शहर से 16 किलोमीटर और सैन फेलिप से 24 किलोमीटर दूर (भारतीय समयानुसार गुरुवार तड़के 3:34 बजे) आये। पहले भूकंप के तुरंत बाद ही दूसरा भूकंप आया और रिक्टर स्केल पर इनकी तीव्रता 7.2 और 7.5 मापी गयी। भूकंप के झटके पूरे वेनेजुएला सहित लैटिन अमेरिका के अन्य देशों में भी महसूस किये गये। राष्ट्रपति रोड्रिगेज के अनुसार राजधानी काराकस से

पीएम मोदी ने वेनेजुएला में आये विनाशकारी भूकंप पर जतायी चिंता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वेनेजुएला में आये विनाशकारी भूकंप के कारण जानमाल की हानि पर शोक व्यक्त किया है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है तथा भारत की ओर से हर संभव सहायता प्रदान करने की इच्छा व्यक्त की है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर वेनेजुएला में आये भीषण भूकंप में जानमाल के नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इस त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के प्रति एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस मुश्किल समय में भारत हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री ने लिखा, वेनेजुएला में आये भीषण भूकंपों से हुई तबाही से मैं बेहद दुखी हूं।

लेकर तटीय शहर कैटिया ला मार तक पूरे देश में इमारतें गिरने की खबर है। उन्होंने बताया कि भूकंप हादसों में मरने वाले की संख्या 164 हो गयी है और एक हजार से अधिक घायल हैं। लेकिन कुछ स्वतंत्र आकलन करने वाली एजेंसियों के अनुसार हताहतों की संख्या हजारों में हो सकती है। बीबीसी ने एक अमेरिकी एजेंसी के हवाले से कहा कि मरने वालों की तादाद कम से कम 10 हजार तक हो सकती है और घायलों का आंकड़ा एक लाख के पार जा सकता है।

देश पर जबरन थोपा गया आपातकाल, कांग्रेस ने सत्ता के अहंकार से की संविधान हत्या : मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया. सीएम विष्णुदेव साय ने 1975 में लगाए गए आपातकाल को भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय बताया. वीडियो में आपातकाल के दौरान लोकतांत्रिक अधिकारों पर हुए प्रतिबंध, बड़े पैमाने पर हुई गिरफ्तारियों, प्रेस सेंसरशिप, लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष समेत संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के संदेश को प्रमुखता से दर्शाया गया है.

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने सत्ता के अहंकार में संविधान की आत्मा को कुचलते हुए पूरे देश पर आपातकाल थोप दिया था. आपातकाल के दौरान लोकतांत्रिक संस्थाओं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर गंभीर प्रहार हुआ. MISA जैसे

दमनकारी कानूनों के तहत हजारों लोकतंत्र सेनानियों, पत्रकारों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को जेलों में बंद कर उनकी आवाज दबाने का प्रयास किया गया, लेकिन लोकतंत्र के रक्षकों का साहस और संकल्प अडिग रहा.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' घोषित किया जाना, आपातकाल के दौरान प्रताड़ित सभी लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष और बलिदान को सच्ची श्रद्धांजलि है. इससे नई पीढ़ी भारतीय लोकतंत्र के उस काले अध्याय को जान सकेगी और संविधान तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के प्रति अधिक जागरूक होगी।

मीसा पीड़ितों का बीजेपी ने किया सम्मान

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने भी लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान को पुनर्स्थापित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है. पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा बंद की गई सम्मान निधि को पुनः प्रारंभ करते हुए बकाया राशि का भुगतान किया गया.लोकतंत्र सेनानी सम्मान विधेयक-2025 पारित कर उनके सम्मान को कानूनी संरक्षण प्रदान किया गया. मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से लोकतंत्र सेनानियों के त्याग और बलिदान को स्मरण करते हुए संविधान की रक्षा लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

एफसीआरए नियमों में संशोधन वापस लेने की मांग, वेणुगोपाल ने मोदी को लिखा पत्र

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) नियमों और संशोधनों को तत्काल वापस लेने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि ये कठोर नियम नागरिक समाज के संगठनों और अल्पसंख्यक संस्थानों की स्वायत्तता को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाते हैं। वेणुगोपाल ने पत्र के माध्यम से आरोप लगाया कि नए संशोधन नागरिक समाज संगठनों, विशेषकर अल्पसंख्यक संस्थानों द्वारा संचालित संगठनों की स्वायत्तता को कमजोर करते हैं और उनके नियमित

कामकाज में बाधा उत्पन्न करेंगे। उन्होंने कहा कि मार्च 2026 में लोकसभा में एफसीआरए संशोधन विधेयक लाने का प्रयास विफल होने के बाद केंद्र सरकार अब नियमों के जरिए ऐसे प्रावधान लागू करने की कोशिश कर रही है, जिनसे जिन संस्थाओं का एफसीआरए लाइसेंस रद्द हो जाए या उसकी अवधि समाप्त हो जाए, उनकी संपत्तियों को जब्त करने का अधिकार सरकार को मिल सके। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि जिस प्रावधान को पहले संसद में कानून के रूप में लाने का प्रयास किया गया था, उसे अब नियमों के माध्यम से लागू किया जा रहा है।

केरल में प्रतिबंधित तंबाकू के 15 हजार पैकेट ज़ब्त, दो लोग गिरफ़्तार

कासरगोड। केरल के कासरगोड ज़िले में पुलिस ने बड़े पैमाने पर चल रही अवैध तंबाकू बनाने और पैकेजिंग की एक इकाई का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों के 15 हजार पैकेट के साथ-साथ उनके उत्पादन में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी और कच्चा माल भी ज़ब्त किया है। यह छापेमारी मेलपरम्बा पुलिस ने 'ऑपरेशन तूफ़ान' के तहत की। यह कार्रवाई बारा गाँव के मायिलाट्टी में नेशनल हाईवे के पास स्थित एक किराए की इमारत में की गई, जिस पर 'कुरैशी एक्सप्रेस' का साइनबोर्ड लगा था। इस अभियान के दौरान दो लोगों को गिरफ़्तार किया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह जगह प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों के

गुप्त निर्माण केंद्र के तौर पर चल रही थी। यह अभियान मेलपरम्बा के उप निरीक्षक अखिल टी को मिली एक गुप्त सूचना के आधार पर किया गया था, जिसमें उस जगह पर बड़े पैमाने पर गैर-कानूनी उत्पादन गतिविधियों की जानकारी दी गई थी। सूचना मिलने पर पुलिस ने तलाशी ली और इमारत के अंदर एक छिपा हुआ कमरा पाया, जहाँ कथित तौर पर कर्मचारी पैकिंग मशीनों का इस्तेमाल करके तंबाकू उत्पादों को प्रोसेस और पैक कर रहे थे ताकि उन्हें आगे बांटा जा सके।

छापेमारी के दौरान, अधिकारियों ने बिक्री के लिए तैयार प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों के 15,000 पैकेट ज़ब्त किए। इसके साथ ही, भारी मात्रा में तंबाकू, पैकेजिंग का सामान और निर्माण प्रक्रिया में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी भी ज़ब्त की गई।

पुलिस ने बताया कि आरोपी मौजूदा नियमों का उल्लंघन करते हुए तंबाकू उत्पादों के गैर-कानूनी उत्पादन और पैकेजिंग में शामिल थे।

केरल में 5 साल से कम उम्र के 19.8 लाख बच्चों को दी जाएगी पोलियो की दवा

तिरुवनंतपुरम। केरल के पोलियो-मुक्त दर्जे को बनाए रखने की बड़ी कोशिश के तहत 28 जून को पूरे राज्य में 'पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान' शुरू किया जाएगा। इस अभियान में 5 साल से कम उम्र के लगभग 20 लाख (19.8 लाख) बच्चों को शामिल किया जाएगा।

स्वास्थ्य और देवस्वोम मंत्री के. मुरलीधरन ने कहा है कि अभियान की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। उन्होंने माता-पिता और अभिभावकों से अपील की है कि वे यह सुनिश्चित करें कि रविवार को हर पात्र बच्चे को जीवन बचाने वाली ओरल पोलियो वैक्सीन (मुंह से दी जाने वाली दवा) मिले। राज्य-स्तरीय उद्घाटन समारोह तिरुवनंतपुरम के थायकाड

स्थित 'मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल' में सुबह 8 बजे होगा। परिवहन मंत्री सी. पी. जॉन इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। कार्यक्रम में सांसद शशि थरूर, तिरुवनंतपुरम के मेयर वी. वी. राजेश और वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। इस अभियान के दौरान पांच साल से कम उम्र के कुल 1,980,224 बच्चों को कवर किए जाने की उम्मीद है। इसे पूरा करने के लिए, स्वास्थ्य विभाग ने पूरे राज्य में 22,288 वैक्सीनेशन बूथ बनाए हैं और 46,663 प्रशिक्षित स्वयंसेवकों को तैनात किया है। टीकाकरण बूथ सरकारी अस्पतालों, हेल्थ सेंटर्स, फैमिली हेल्थ सेंटर्स, अर्बन हेल्थ सेंटर्स, आंगनवाड़ियों, प्राइवेट अस्पतालों, स्कूलों, लाइब्रेरी और आसानी से पहुँचने लायक दूसरी सार्वजनिक जगहों पर काम करेंगे।

यह पक्का करने के लिए कि कोई भी बच्चा छूट न जाए, रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंड और बोट जेट्टी पर 539 ट्रांजिट बूथ काम करेंगे, जबकि 283 मोबाइल बूथ प्रवासी मज़दूरों की बस्तियों, दूर-दराज़ के इलाकों, त्योहारों की जगहों और लोगों के जमा होने वाली दूसरी जगहों पर जाएँगे। मेलों और त्योहारों में भी खास बूथ लगाए जाएँगे।

दुर्लभ और स्वाद के कारण डिमांड ज्यादा

जंगल का सफेद सोना बोड़ा, 5 हजार रुपए तक पहुंच जाती है कीमत

दंतेवाड़ा। बस्तर के घने साल वनों में जैसे ही मानसून की पहली फुहारें धरती को भिगोती हैं, जंगल एक अनमोल प्राकृतिक उपहार को जन्म देता है. यह उपहार है बोड़ा. जिसे बस्तर के आदिवासी और स्थानीय समुदाय सदियों से अपनी पारंपरिक खाद्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा मानते आए हैं. स्वाद, पौष्टिकता, दुर्लभता और जंगल से उसके गहरे संबंध के कारण बोड़ा को बस्तर का सफेद सोना भी कहा जाता है।

मानसून के शुरुआती दिनों में उगता है बोड़ा

बारिश के शुरुआती दिनों में बोड़ा की तलाश ग्रामीण क्षेत्रों में एक विशेष गतिविधि बन जाती है. सुबह-सुबह ग्रामीण साल के जंगलों की ओर निकल पड़ते हैं और जमीन की सतह पर उभरने वाले इस दुर्लभ खाद्य कवक को सावधानीपूर्वक एकत्रित करते हैं. इसकी उपलब्धता सीमित होने के कारण बाजार में मांग हमेशा अधिक रहती है.यही वजह है कि कई बार इसकी कीमत 3,000 से 4,000 रुपये प्रति किलो तक पहुंच जाती है. स्थानीय साप्ताहिक बाजारों में इसकी बिक्री से ग्रामीण परिवारों को अच्छी अतिरिक्त आय भी प्राप्त होती है।

पारंपरिक स्वाद के कारण है मशहूर

बोड़ा की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण उसका अनूठा स्वाद और प्राकृतिक खुशबू है.मिट्टी की सौंधी महक से भरपूर यह कवक पकने के

बाद बेहद स्वादिष्ट हो जाता है.स्थानीय लोग इसे मसालेदार सब्जी, भुजिया और पारंपरिक व्यंजनों के रूप में तैयार करते हैं.बस्तर के कई परिवारों में बारिश के मौसम में बोड़ा की सब्जी बनाना एक परंपरा जैसा माना जाता है।

बोड़ा की डिमांड क्यों है ज्यादा ?

स्वाद के साथ-साथ बोड़ा अपने पौष्टिक गुणों के लिए भी जाना जाता है. इसमें प्रोटीन, फाइबर, खनिज और कई आवश्यक पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देते हैं. प्राकृतिक रूप से उगने के कारण इसमें किसी प्रकार के रासायनिक तत्वों का प्रभाव नहीं होता, जिससे यह एक शुद्ध एवं स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थ माना जाता है।

साल के जड़ों से लेता है पोषण

एमडी डॉ. संजय बघेल के अनुसार बोड़ा एक विशेष प्रकार का कवक है, जिसका वैज्ञानिक नाम Astraeus hygrometricus है. यह मुख्य रूप से साल वृक्षों की जड़ों के आसपास रेतीली मिट्टी में विकसित होता है. इसमें क्लोरोफिल नहीं होता, इसलिए यह अपना भोजन स्वयं नहीं बना सकता और साल वृक्षों की जड़ों से पोषण प्राप्त करता है। यह कवक वृक्षों को नाइट्रोजन, फॉस्फोरस समेत अन्य पोषक तत्व उपलब्ध कराने में भी सहायता करता है. इस पारस्परिक लाभकारी संबंध को वैज्ञानिक भाषा में सहजीवी संबंध (सिंबायोटिक रिलेशन) कहा जाता है।

फीफा विश्वकप: दक्षिण अफ्रीका ने दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराया

एस्तादियो मोंटेर्री। थापेलो मासेको के 63वें मिनट में किये गये शानदार गोल की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने गुरुवार को दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराकर विश्व कप के नॉकआउट चरण में जगह बना ली है।

खेल शुरू होने के आठवें मिनट में दक्षिण कोरिया लगभग गोल कर ही चुका था, लेकिन ली कांग-इन का शॉट बाहर चला गया। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने खेल में अपनी पकड़ मजबूत की और आधे घंटे के खेल के बाद किम सेउंग-ग्यु को शानदार बचाव करने पर मजबूर किया, लेकिन हाफ-टाइम तक कोई गोल नहीं हो सका। इसके बाद, एक घंटे का खेल पूरा होने के ठीक बाद थापेलो

मासेको ने 'बाफाना' (दक्षिण अफ्रीका की टीम) को अहम बढ़त दिलाई; उन्होंने त्शेपांग मोरेमी के शानदार पास पर गेंद को घुमाते हुए निचले कोने (बॉटम कॉर्नर) में गोल किया। दक्षिण कोरिया ने पूरा प्रयास किया लेकिन वे दक्षिण अफ्रीका खिलाड़ियों पर दबाव नहीं बना सके। दक्षिण अफ्रीका ने यह अहम जीत हासिल की और पहली बार विश्वकप के नॉकआउट स्टेज में जगह बनाई।

शराब के नशे में धुत दूल्हे को दुल्हन ने लौटाया

जांजगीर की साहसी बेटी सम्मानित

एसपी ने बनाया परिवार परामर्श केंद्र का महिला काउंसलर

जांजगीर-चांपा/विशेष संवाददाता। समाज में नशामुक्ति और महिला सशक्तिकरण की एक अनूठी और प्रेरणादायक मिसाल पेश करने वाली जांजगीर-चांपा की एक साहसी बेटी को पुलिस विभाग ने एक बड़ा और विशेष सम्मान दिया है। शादी के मंडप में शराब के नशे में धुत दूल्हे को देखकर बारात वापस लौटाने वाली ग्राम कोसमंदा की इस युवती के जज्बे को सलाम करते हुए पुलिस अधीक्षक (स्क) विजय कुमार पाण्डेय ने उसे न केवल सम्मानित किया, बल्कि जिला परिवार परामर्श केंद्र में बतौर 'महिला काउंसलर' (सलाहकार) नियुक्त करने की एक बड़ी घोषणा भी की है।

सिंदूर रस्म के समय लिया था बारात लौटाने का साहसिक फैसला- यह पूरा मामला थाना चांपा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोसमंदा का है। यहाँ विवाह समारोह के दौरान जब शादी की सबसे महत्वपूर्ण 'सिंदूर रस्म' का समय आया, तब दुल्हन (युवती) ने देखा कि दूल्हा शराब के नशे में पूरी तरह धुत है। अपने आत्मसम्मान और भविष्य से समझौता न करते हुए युवती ने तत्काल शादी से इनकार कर दिया और पूरी बारात को बैरंग वापस लौटा दिया। इस साहसिक कदम की पूरे अंचल में जमकर सराहना हो रही है।

पारिवारिक विवादों को सुलझाने में अब समाज को देंगी राह- बेटी के इस अनुकरणीय निर्णय को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय (ढक्क) ने उसे विशेष रूप से एसपी कार्यालय आमंत्रित किया। एसपी ने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और टूटने की कगार पर पहुंचे परिवारों व वैवाहिक विवादों के समाधान में इस बेटी की सोच बहुत काम आएगी। इसी उद्देश्य से उन्हें परिवार परामर्श केंद्र, जांजगीर का महिला काउंसलर नियुक्त किया गया है, ताकि वे अन्य महिलाओं और परिवारों को सही राह दिखा सकें।नशे के खिलाफयह कदम समाज के लिए एक बड़ा संदेश सम्मान समारोह के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नशे के विरुद्ध इस बेटी का यह साहसिक कदम पूरे समाज के लिए एक महान प्रेरणास्रोत है। यह निर्णय युवाओं और विशेषकर महिलाओं को अपने अधिकारों, आत्मसम्मान और स्वाभिमान के प्रति जागरूक रहने का एक कड़ा संदेश देता है।पुलिस महकमे के आला अधिकारी रहे मौजूदइस गौरवमयी और भावुक पल के दौरान एसपी कार्यालय में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप, सीएसपी जांजगीर योगिताबाली खापर्डे, डीएसपी सतरूपा तारम, थाना प्रभारी चांपा निरीक्षक अशोक वैष्णव सहित क्षेत्र के कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। जांजगीर-चांपा पुलिस द्वारा दी गई इस अनूठी सौगात से निश्चित रूप से समाज में बेटियों के प्रति सम्मान और नशामुक्त समाज की सोच को एक नई दिशा मिलेगी।

अल्ट्राटेक रावन सीएसआर केन्द्र द्वारा पर्यावरण मित्र सम्मान समारोह आयोजित

बलौदाबाजार। पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में संयंत्र के निकटवर्ती ग्रामों में सकारात्मक वातावरण निर्मित करने तथा जनसामान्य को पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से अल्ट्राटेक रावन सीएसआर केन्द्र द्वारा एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण के प्रति समर्पित 20 चयनित व्यक्तियों को पर्यावरण मित्र सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मानित व्यक्तियों में ग्राम रावन से दीपक वर्मा, कृष्णा वर्मा एवं संतूराम यादव, ग्राम पड़कीडीह से डिलेश्वर वर्मा एवं खोड़स वर्मा, ग्राम झीपन से वेदप्रकाश वर्मा, ग्राम गुमा से झाकुमार साहू, ग्राम सरसेनी से टिकेश्वर देवांगन, देवव्रत श्रेय, पुनाराम साहू, कोमल रजक एवं दुर्गेश साहू, ग्राम फुलवारी से मेघनाथ साहू एवं आनंद साहू, ग्राम खपराडीह से गजेन्द्र वर्मा एवं कामदेव बघमार, ग्राम चुचरूंगपुर से मधुकर वर्मा एवं धनेश्वर वर्मा, ग्राम नेवारी से रमेश साहू तथा ग्राम तिल्दाबांधा से संतोष वर्मा सम्मानित हुए।

कार्यक्रम में निकटवर्ती ग्रामों के सरपंचों एवं गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सम्मान प्राप्त व्यक्तियों में से टिकेश्वर देवांगन, गजेन्द्र वर्मा, कृष्णा वर्मा एवं दीपक वर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने अधिक से अधिक पौधारोपण करने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया। इस अवसर पर सीएसआर प्रमुख विनोद श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उनका संरक्षण एवं संवर्धन करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और इसके लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीएसआर अधिकारी ज्योत्सना पति एवं रंजय पाण्डेय सहित सीएसआर टीम के सदस्य सुरेन्द्र कुमार यादव, जानकी यादव, हेमलता ध्रुव, ताराचंद वर्मा, सुनीता निषाद, साहिल बांधे एवं गुमान साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आदिवासियों पर बल प्रयोग भाजपा सरकार की संवेदनहीनता का प्रमाण: तारिणी चंद्राकर

धमतरी। उदंती.सीतानदी टाइगर रिजर्व क्षेत्र के 45 गांवों के हजारों आदिवासी भाई.बहनों द्वारा अपनी जायज मांगों को लेकर धमतरी जिला मुख्यालय में किए गए विशाल जन आंदोलन का जिला कांग्रेस कमेटी धमतरी ने पूरी तरह समर्थन किया है। जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष तारिणी नीलम चंद्राकर ने एक बयान जारी कर सूबे की भाजपा सरकार और स्थानीय प्रशासन को आड़े हाथों लिया है। तारिणी चंद्राकर ने कहा यह बेहद शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रदेश मे लम्बे समय तक शासन करने वाले भाजपा के राज मे आज भी टाइगर रिजर्व क्षेत्र के 45 गांवों में रहने वाले हमारे आदिवासी भाई बुनियादी सुविधाओं के अभाव में जीवन जीने को मजबूर हैं। वनांचल के इन गांवों में आवागमन के लिए न तो ठीक से सड़कें हैं और न ही नदी.नालों पर पुल.पुलिया का निर्माण कराया गया है। इसके चलते खासकर बारिश के दिनों में ग्रामीण पूरी दुनिया से कट जाते हैं और गर्भवती माताओं व मरीजों को अस्पताल पहुंचाना नामुमकिन हो जाता है। उन्होंने आगे कहा कि क्षेत्र के स्कूलों में शिक्षकों का भारी अभाव है, जिससे आदिवासी बच्चों का भविष्य अंधकार में डूब रहा है। अस्पतालों में डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि एक दर्जन से अधिक गांवों में आज तक परंपरागत बिजली तक नहीं पहुंच पाई है। ग्रामीण लंबे समय से इन विकास कार्यों की मांग कर रहे हैं। लेकिन प्रशासन लगातार उनकी उपेक्षा कर रहा है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कलेक्ट्रेट घेराव के लिए निकले ग्रामीणों के ऊपर पुलिस द्वारा उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े जाने की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा अपने हक और बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से पैदल मार्च कर पहुंचे ग्रामीणों पर इस तरह का बल प्रयोग सरकार की तानाशाही और जनविरोधी नीति को दर्शाता है। वन विभाग विकास कार्यों में अड़ंगा लगाना बंद करे और प्रशासन इन जायज मांगों पर तुरंत लिखित व ठोस कार्रवाई शुरू करे। जिला कांग्रेस अध्यक्ष नें चेतावनी दी है कि यदि टाइगर रिजर्व क्षेत्र के इन गांवों में सड़क, बिजली, शिक्षा, मोबाइल नेटवर्क और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर तुरंत धरातल पर काम शुरू नहीं किया गया तो कांग्रेस पार्टी आदिवासियों के इस जल.जंगल.जमीन के संघर्ष में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग धरसींवा थाने तक निकाला पैदल मार्च

तिल्दा-नेवरा। पत्रकारों पर दर्ज किए जा रहे कथित फर्जी मुकदमों, एफआईआर और प्रताड़ना के विरोध में छत्तीसगढ़िया पत्रकार महासंघ ने मंगलवार को धरसींवा में प्रदर्शन कर पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग उठाई। महासंघ के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम में जिलेभर से पहुंचे सैकड़ों पत्रकारों ने धरसींवा रेस्ट हाउस में सभा की तथा इसके बाद पैदल मार्च करते हुए धरसींवा थाना पहुंचे। यहां थाना प्रभारी के माध्यम से पुलिस महानिदेशक एवं गृह मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि प्रदेशभर में लगातार पत्रकारों के खिलाफ विभिन्न मामलों में कार्रवाई की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे स्वतंत्र पत्रकारिता प्रभावित हो रही है। संगठन ने आरोप लगाया कि धरसींवा क्षेत्र के एक पत्रकार को एक मामले में सहआरोपी बनाकर जेल भेजा गया, जबकि उन्होंने पूर्व में क्षेत्र में नाबालिग से गैंगरेप के मामले को उजागर किया था। इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर पत्रकार के खिलाफ दर्ज प्रकरण को निरस्त करने की मांग भी ज्ञापन में की गई। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारों पर होने वाली कथित साजिशन कार्रवाई लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक है। उन्होंने पत्रकारों की सुरक्षा एवं निष्पक्ष कार्य वातावरण सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़िया पत्रकार महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्रराथ गर्व, उपाध्यक्ष पुनीत सोनकर, महासचिव अब्दुल शमीम, सुधीर तंबोली आजाद, प्रेम सोनी सहित बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

तिल्दा-नेवरा से जैनेन्द्र बघेल, गोवर्धन यदु, शिव वर्मा, अजय नेताम, हरि मार्कण्डेय, सौरभ यादव, शिवानंद निर्मलकर, अमजद खान, धीरेंद्र जायसवाल, संतोष यदु और राजू वर्मा शामिल हुए। इसके अलावा आरंग से तुकेश्वर टिक्कू लोधी, खरोरा से लोमश देवांगन तथा सिलयारी के पत्रकार उस्मान सैफी सहित विभिन्न क्षेत्रों के पत्रकारों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रधान पाठक व संकूल समन्वयको की हुई विभागीय समीक्षा बैठक

सरायपाली। विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव और विभागीय समीक्षा हेतु संकुल केंद्र केंजुवां, केना,केन्दुढ़ार, कनकेवा, मंदिर सरायपाली, झिलमिला, कन्या सरायपाली, किसड़ी, कलेण्डा (तोरे), तोषगांव के कुल 66 प्राथमिक और मिडिल स्कूलों के प्रधान पाठकों और संकुल समन्वयकों की आवश्यक बैठक स्वामी विवेकानंद स्कूल केंजुवां में बीईओ टीकम चंद पटेल, बीआरसी देवानंद नायक, प्राचार्य सी एल पुहूप की अध्यक्षता में अपार आई डी हेतु एसओएक्स फार्म जमा करने, आधार विहीन बच्चों के पालकों से संपर्क कर आधार कार्ड बनवाने, ड्राप आउट बच्चों का पता कर शत प्रतिशत स्कूलों में दाखिला दिलाने, व्हीएसके में बचे सभी शिक्षकों का पंजीयन कर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने, सभी स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति 80 प्रतिशत दर्ज करने, 0-18 वर्ष के दिव्यांग बच्चों की सर्वे की जानकारी,शाला प्रबंधन विकास समिति के गठन की जानकारी और अन्य विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा कर शाला प्रवेश उत्सव में पालकों, शिक्षकों की उपस्थिति हेतु निर्देशित किया गया। अंत में आभार प्रदर्शन संकुल समन्वयक केंजुवां भोलानाथ के द्वारा किया गया।

स्टार्टअप मीटअप धमतरी में नवाचार और उद्यमिता पर मंथन

धमतरी। जिले में नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन तथा स्टार्टअप धमतरी के सहयोग से पहल को.वर्किंग स्पेस, भटगांव रोड में स्टार्टअप मीटअप धमतरी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले भर से 50 से अधिक स्टार्टअप संस्थापक, युवा उद्यमी, विद्यार्थी, नवाचारकर्ता एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता उद्यमी एवं एंजेल इन्वेस्टर प्रबल तोमर ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय नवाचार, तकनीक और उद्यमिता का युग है। युवाओं को केवल रोजगार प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि अपनी रचनात्मक सोच, कौशल और नवाचार के माध्यम से रोजगार के नए अवसरों का सृजन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर सफल स्टार्टअप की शुरुआत किसी समस्या के प्रभावी समाधान से होती है। यदि युवा स्थानीय आवश्यकताओं और चुनौतियों को समझकर समाधान आधारित कार्य करेंए तो वे न केवल आर्थिक रूप से सफल हो सकते हैं बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन भी ला सकते हैं। तोमर ने स्टार्टअप की अवधारणा से लेकर व्यवसाय मॉडल निर्माण, निवेश आकर्षित करने की रणनीति, बाजार की आवश्यकताओं की समझ तथा निवेशकों की अपेक्षाओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों को बताया कि उद्यमिता की यात्रा में आने वाली चुनौतियां और असफलताएं सीखने का अवसर प्रदान करती हैं तथा निरंतर प्रयास, धैर्य और नवाचार ही सफलता का आधार हैं। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न सफल उद्यमियों एवं नवाचारकर्ताओं ने भी अपने अनुभव साझा किए। विजय वर्मा वीशॉप, श्रीमती सुनीता पंजवानी सैनिटरी पैड यूनिट, हिमांशु ब्लेक बॉक्स एआई, राहुल शेयर ट्रेडिंग तथा रोहन ने अपने उद्यम की स्थापना, चुनौतियों, नवाचार और विकास यात्रा से जुड़े अनुभव प्रतिभागियों के साथ साझा किए। इससे उपस्थित युवाओं को उद्यमिता के व्यावहारिक पक्ष को समझने का अवसर मिला। विशेष सत्र में रोहन ने धान उत्पादन एवं राइस मिलिंग सेक्टर की सप्लाई चेन से जुड़ी चुनौतियों और उनके समाधान हेतु तकनीक आधारित व्यावसायिक संभावनाओं पर प्रकाश डाला। इस चर्चा ने कृषि, एग्री.प्रोसेसिंग और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े नवाचार आधारित स्टार्टअप की संभावनाओं को लेकर प्रतिभागियों के बीच नई सोच विकसित की। कार्यक्रम के दौरान आयोजित नेटवर्किंग एवं ओपन डिस्कशन सत्र में प्रतिभागियों ने अपने स्टार्टअप आइडियाज, व्यवसायिक चुनौतियों और संभावित समाधानों पर खुलकर चर्चा की। इस संवादात्मक मंच ने युवाओं, उद्यमियों, निवेशकों और नवाचारकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा भविष्य में सहयोग की संभावनाओं को मजबूत करने का अवसर प्रदान किया। इस अवसर पर जिले में स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने, युवाओं को मेंटरशिप, नेटवर्किंग एवं नवाचार संबंधी अवसर उपलब्ध कराने तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के नए आयाम विकसित करने पर भी विशेष चर्चा की गई। जिला प्रशासन धमतरी की यह पहल जिले में नवाचार आधारित उद्यमिता को प्रोत्साहित करने, स्टार्टअप संस्कृति को सशक्त बनाने तथा युवाओं को जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर बनने के लिए प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि सही मार्गदर्शन, नवाचारी सोच और दृढ़ संकल्प के माध्यम से धमतरी के युवा भी राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान स्थापित कर सकते हैं।

बलिदान दिवस पर डॉ मुखर्जी को दी श्रद्धांजलि

भंवरपुर। भारतीय जनता पार्टी मंडल भंवरपुर द्वारा महान राष्ट्रवादी चिंतक, भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं प्रखर देशभक्त डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान को स्मरण किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मंडल अध्यक्ष डेविड चौधरी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। उनका जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग और समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने कहा कि एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का उद्घोष कर डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने का कार्य किया। इस अवसर पर पूर्व जनपद अध्यक्ष रुक्मणि पटेल ने कहा कि डॉ. मुखर्जी के विचार आज भी देशवासियों को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। उनके आदर्शों को आत्मसात कर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मंडल महामंत्री धर्मेन्द्र पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संकल्पित है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से उनके आदर्शों पर चलकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा के मंडल मंत्री मोहित लाल नायक, प्राधिकृत अध्यक्ष गण संतराम निषाद , झनक राम चौधरी, नरेश तिवारी, कृष्ण कुमार नायक, अर्जुन चंद्रवंशी, जगदीश पटेल, सोहनलाल पटेल, महिला मोर्चा अध्यक्ष नमिता साहू, बाबूलाल सिदार, युवा मोर्चा अध्यक्ष मंगलु सिदार, युवा मोर्चा महामंत्री प्रकाश सिंह पारेश्वर सहित कई जनप्रतिनिधि, शक्ति केंद्र एवं बूथ स्तर के कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। उपस्थित सभी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बताए मार्ग पर चलकर राष्ट्र सेवा करने का संकल्प लिया।

केन्द्र में कार्यशाला एवं किसान सम्मेलन आयोजित

गरियाबंद। बारिश शुरू होते ही जिले के किसानों ने खरीफ फसलों की तैयारी कर दी है। कृषि विभाग द्वारा किसानों को जैविक खेती के प्रति जागरूक करने एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र गरियाबंद परिसर में जैविक कृषि कार्यशाला एवं किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए किसानों, कृषि विशेषज्ञों, प्रगतिशील कृषकों, विभागीय अधिकारियों एवं जिले के नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञों द्वारा जैविक खेती की उन्नत तकनीकों, जैविक खाद एवं जैव उर्वरकों के उपयोग, प्राकृतिक कीट एवं रोग प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण तथा जैविक उत्पादों के विपणन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। किसानों को रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों एवं जैविक खेती के आर्थिक एवं पर्यावरणीय फायदों के बारे में भी विस्तार से बताया गया। सम्मेलन में उपस्थित कृषि अधिकारियों ने किसानों से जैविक खेती अपनाकर उत्पादन लागत कम करने, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने तथा गुणवत्तापूर्ण कृषि उत्पाद तैयार करने कि अपील की। प्रगतिशील किसानों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जैविक खेती से उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार होने के साथ-साथ बाजार में बेहतर मूल्य भी प्राप्त हो रहा है। इस दौरान जैविक खेती करने वाले कृषकों को शॉल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

युवा रचनाकारों के प्रतिभा को मिला स्थायी मंच, युवोदय काव्य संग्रह का विमोचन

धमतरी। जिले में युवा साहित्यकारों की सृजनात्मक अभिव्यक्तियों को संजोने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए युवा फेस्ट 2026 के अंतर्गत आयोजित साहित्य मंच की चयनित रचनाओं के संकलन युवोदय का मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में विमोचन किया गया। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने युवा प्रतिभाओं की उपस्थिति में इस काव्य एवं लेख संग्रह का लोकार्पण किया। गौरतलब है कि कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देशन में 24 एवं 25 अप्रैल को बीसीएस स्नातकोत्तर महाविद्यालय, धमतरी में आयोजित युवा फेस्ट 2026 के दौरान साहित्य के क्षेत्र में युवाओं की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ के प्रथम एवं अनूठे लिटरेचर कॉर्नर का आयोजन किया गया था। इस मंच पर प्रतिभागियों ने अपनी स्वरचित एवं अप्रकाशित कविताएं लेख और निबंध प्रस्तुत किए थे। प्रतियोगिता में प्रदेश के 10 जिलों धमतरी, रायपुर, दुर्ग, खैरागढ़, बालोद, राजनांदगांव, महासमुंद, गरियाबंद, कांकेर और बस्तर के विभिन्न महाविद्यालयों से कुल 69 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड प्रदान की गई, जबकि सभी प्रतिभागियों को कलेक्टर अबिनाश मिश्रा तथा निर्णायक मंडल के सदस्यों डॉ हीरा महावर, श्याम अग्रवाल, डॉ सरिता दोशी और श्रीमती कामिनी कौशिक द्वारा प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए। प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत रचनाओं का संकलन कर तैयार किए गए युवोदय संग्रह में युवा साहित्यकारों की कविताओं, लेखों और विचारों को स्थान दिया गया है। विमोचन समारोह में निर्णायक मंडल के सदस्य, प्रतिभागी विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन युवोदय के प्रधान संपादक एवं राजस्व निरीक्षक दीपचंद भारती ने किया। इस अवसर पर खैरागढ़ की कुमारी पायल रजक, धमतरी की कुमारी माधुरी मरकाम एवं मगरलोड की कुमारी कुंती साहू ने अपनी स्वरचित रचनाओं का प्रभावशाली वाचन कर उपस्थितजनों की सराहना प्राप्त की। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि युवा पीढ़ी के भीतर अपार रचनात्मक क्षमता मौजूद है। प्रशासन का प्रयास केवल प्रतियोगिता आयोजित करना नहीं, बल्कि उनकी अभिव्यक्तियों को स्थायी पहचान और मंच उपलब्ध कराना है। युवोदय जैसे संकलन युवा लेखकों को साहित्य के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देंगे तथा उनकी प्रतिभा को व्यापक समाज तक पहुंचाएंगे। निर्णायक मंडल सदस्य डॉ हीरा महावर ने कहा कि साहित्य समाज की संवेदनाओं और विचारों का सशक्त माध्यम है। युवा फेस्ट के दौरान प्रस्तुत रचनाओं में नवीन सोच, सामाजिक सरोकार और भाषा की सशक्त अभिव्यक्ति दिखाई दी। युवोदय केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि युवा रचनाकारों के सपनों, संघर्षों और सृजनशीलता का दस्तावेज है।

करबला के शहीदों की दास्तां सुन नम हुई आंखें, तकरीर के बाद हुआ इस्तकबाल

मुहर्रम पर दस दिन के आयोजन अंतिम चरण में, आज ताजिया के साथ जुलूस की तैयारी

भिलाई। मुहर्रम के मौके पर करबला के शहीदों की याद में शहर में जारी 10 रोज को आयोजन अब अपने आखिरी दौर में है। शहर के सभी इमामबाड़ों पर परचमे इस्लाम फहराने के साथ-साथ फातिहा ख्वानी ढोल, ताशे, अखाडो का खेल, तकरीरी प्रोग्राम, मिलाद शरीफ, नौहा व कुरआन ख्वानी चलती रही। अंजुमन हुसैनिया कमेटी की ओर से सड़क-20, जोन-1, खुर्सीपार में 8 मुहर्रम पर 24 जून की रात सैयद आलमगीर अशरफ की तकरीर रखी गई थी। बड़ी तादाद में मौजूद लोगों के बीच करबला के शहीदों का बयान करते हुए इंटरनेशनल सुन्नी सेंटर नागपुर के फाउंडर और महबूबल उलेमा फाउंडेशन किछौछा शरीफ के संस्थापक सैयद आलमगीर अशरफ ने हजरत इब्राहीम (अ.स.) से लेकर इमाम हुसैन तक का खास तौर पर जिक्र किया। उन्होंने हजरत इब्राहीम (अ.स.) की अपने बेटे हजरत इस्माइल (अ.स.) की कुरबानी के दौरान दुम्बा (भेड़) आने का जिक्र किया वहीं उन्होंने करबला में हजरत इमाम हुसैन की कुरबानी को भी तफ्सील से बताया। करबला के शहीदों के बयान सुन कर मौजूद लोगों की आंखें नम हो गई। यहां सलाम पेश किया गया और फातिहा ख्वानी भी हुई। तकरीर के बाद आयोजन कमेटी की ओर से मुख्यधारा और सोशल मीडिया के अलग-अलग क्षेत्र से जुड़े नौजवानों का इस्तकबाल किया गया। अंजुमन हुसैनिया के सदर हुसैन अली अशरफी की मौजूदगी में अल्लामा आलमगीर अशरफ ने यहां डिजीटल मीडिया से शाहनवाज आलम, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से मुहम्मद शारिक अहमद खान और सोशल मीडिया से साहिल खान, अरसलान खान व आदिल हुसैन का इस्तकबाल किया। उन्होंने सभी नौजवानों की कामयाबी के लिए दुआएं की। इस दौरान स्टेज पर मौलाना मुफ्ती साजिद सकाफी अशरफी,मुफ्ती जामी कमर अजहरी,मौलाना महबूब गौहर,मौलाना इसरार,हाफिज कुद्दुस,मोहम्मद ताहिर,मौलाना हाफिज कय्यूम,हाफिज शमशेर,हाफिज मोहम्मद शहादत,हाफिज मोहम्मद शफीक,हाफिज समीर,हाफिज गुलाम रजा और कमालुद्दीन अशरफी सहित तमाम लोग मौजूद थे।

करबला के शहीदों की याद में शहर में अलग-अलग प्रोग्राम हो रहे हैं। इसी कड़ी में खुर्सीपार में अंजुमन हुसैनिया की ओर से 24-25 जून की दरमियानी रात 8 मुहर्रम को शहीद इमाम हसन की चौकी निकाली गई। इस दौरान फातिहा ख्वानी हुई। वहीं 25 जून की रात सेक्टर-6 ईदगाह के पास, फरीद नगर और दीगर जगहों पर अकीदतमंदों ने अलाव पर चलकर करबला के शहीदों के लिए अपनी मुहब्बत का इजहार किया। यौमे आशूरा पर 26 जून शुक्रवार को शहर की सभी मस्जिदों में दोपहर के वक्त जुमे की नमाज के बाद मिल कर दुआए आशूरा पढ़ी जाएगी। वहीं शहर की परंपरा के मुताबिक ताजिया भी निकाला जाएगा।मुहर्रम शरीफ के मुबारक मौके पर हाउसिंग बोर्ड ईदगाह मैदान में अखाड़ा खेल रहे अंजुमन शेर-ए-खुदा कमेटी के बीच पार्षद पीयूष मिश्रा ने अपनी उपस्थिति दी। उन्होंने करबला के शहीदों को अपनी अकीदत पेश करते हुए खिलाड़ियों और कमेटी के सदस्यों का हौसला-अफ़ज़ाई की। अंजुमन शेर-ए-खुदा कमेटी ने पार्षद पीयूष का शुक्रिया अदा किया।

नंदिनी एयरोड्रम के पास ग्राम बीरेभाठ मुराद नगर में हजरत बाबा भोला शफी शाह रहमतुल्लाह अलैह की ख़ानकाह में मुहर्रम के मौके पर करबला के शहीदों की याद में परचम कुशाई की गई। 7 मुहर्रम को ईमाम हुसैन की याद में ख़ानकाह के ख़ादिम हसन बाबा ने परचमे हुसैनी लगाया। यहां मौजूद तमाम अक़ीदतमंदों ने ईमाम हुसैन और उनके 72 जां निसारों को अपनी अकीदत पेश की।

दुर्ग नगर निगम की अनूठी पहलः टैक्स जमा करने वाले करदाताओं का पौधा भेंट कर सम्मान

दुर्ग। करदाताओं के सम्मान के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए नगर पालिक निगम दुर्ग ने एक अभिनव और प्रेरणादायक अभियान की शुरुआत की है। इस पहल के तहत निगम के टैक्स काउंटरों पर संपत्तिकर एवं अन्य कर समय पर जमा करने पहुंचे जागरूक करदाताओं का पौधा भेंट कर स्वागत और अभिनंदन किया गया।निगम परिसर स्थित टैक्स काउंटर में बड़ी संख्या में नागरिक टैक्स जमा करने पहुंचे। इस दौरान निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रत्येक करदाता को पौधा देकर उनकी जिम्मेदार नागरिक भूमिका की सराहना की। करदाताओं ने भी निगम की इस पहल को सकारात्मक बताते हुए कहा कि इससे कर भुगतान के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी जागरूकता बढ़ेगी।

निगम प्रशासन का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य केवल राजस्व संग्रह तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों को हरियाली बढ़ाने के लिए प्रेरित करना भी है। पौधा भेंट कर करदाताओं से अपील की गई कि वे इसे अपने घर, मोहल्ले या आसपास के क्षेत्रों में लगाएं और उसकी नियमित देखभाल करें, ताकि शहर को अधिक हरा-भरा और स्वच्छ बनाया जा सके। निगम अधिकारियों ने बताया कि नगर विकास में करदाताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। समय पर टैक्स जमा होने से सड़क, नाली, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, स्वच्छता सहित विभिन्न जनहित एवं विकास कार्यों को गति मिलती है। प्रशासन ने नागरिकों से वर्षा ऋतु का लाभ उठाते हुए कम से कम एक पौधा लगाने और उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने की अपील की। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि प्रत्येक नागरिक इस दिशा में छोटा सा योगदान दे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और हरित वातावरण मिल सकेगा। नगर निगम भविष्य में भी जनभागीदारी से जुड़े ऐसे नवाचार करता रहेगा, जिससे शहर के विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता रहे।

स्व. दाऊ रामचंद्र साहू शासकीय महाविद्यालय रानीतराई में असुविधा विद्यार्थियों को पाटन जाकर देनी पड़ रही परीक्षा

दुर्ग। जिले के अंतर्गत स्थित स्वर्गीय दाऊ रामचंद्र साहू शासकीय महाविद्यालय, रानीतराई में नया भवन बनकर तैयार हो चुका है और उसका लोकार्पण भी हो गया है, लेकिन इसके बावजूद विद्यार्थियों को परीक्षा संबंधी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को आज भी अपनी परीक्षाएं देने के लिए शासकीय चंदूलाल चंद्राकर महाविद्यालय, पाटन जाना पड़ रहा है, जिससे उन्हें आवागमन में भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार महाविद्यालय प्रशासन द्वारा विश्वविद्यालय को परीक्षा केंद्र स्वीकृत करने के लिए लिखित आवेदन भेजकर आवश्यक मांग की जा चुकी है। प्रशासन ने अपने स्तर पर सभी औपचारिकताएं पूरी करते हुए महाविद्यालय में ही परीक्षा आयोजित कराने का आग्रह किया है, लेकिन विश्वविद्यालय से अब तक अनुमति नहीं मिलने के कारण आगामी जुलाई माह में होने वाली परीक्षाएं भी पाटन केंद्र में आयोजित होने की संभावना जताई जा रही है। इस स्थिति से विद्यार्थियों में नाराजगी बढ़ रही है। उनका कहना है कि जब महाविद्यालय का भवन तैयार होकर लोकार्पित हो चुका है और नियमित कक्षाएं संचालित हो रही हैं, तब भी उन्हें परीक्षा देने के लिए दूसरे महाविद्यालय जाना पड़ रहा है। गौरतलब है कि महाविद्यालय की स्थापना के बाद से भवन के अभाव में छात्र-छात्राओं को पाटन जाकर परीक्षा देनी पड़ती थी, लेकिन अब भवन उपलब्ध होने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है।

रानीतराई महाविद्यालय में धमतरी जिले सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इनमें से कई छात्रों को परीक्षा देने के लिए 20 से 25 किलोमीटर तक की दूरी तय करनी पड़ती है। इससे समय, धन और श्रम की अतिरिक्त परेशानी उठानी पड़ रही है। विद्यार्थियों एवं पालकों ने उच्च शिक्षा विभाग से जल्द से जल्द रानीतराई महाविद्यालय को परीक्षा केंद्र की मान्यता प्रदान करने की मांग की है। साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी इस विषय को गंभीरता से लेते हुए छात्र हित में पहल करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि परीक्षा केंद्र की सुविधा मिलने से हजारों विद्यार्थियों को राहत मिलेगी और शिक्षा व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग का

दुर्ग : नशीली दवाओं के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के उपलक्ष्य में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा श्री महावीर जैन पब्लिक स्कूल में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग के पांच न्यायाधीश श्वेता पटेल, रवि कुमार कश्यप, अंजली सिंह, महिमा शर्मा एवं आरती ध्रुव विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य सुनाली पातरा सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।कार्यक्रम के प्रारंभ में न्यायाधीशों का विद्यालय परिवार द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इसके पश्चात न्यायाधीशों ने विद्यार्थियों से संवाद स्थापित करते हुए उन्हें कानून, न्याय व्यवस्था एवं नागरिक कर्तव्यों के संबंध में सरल एवं सहज भाषा में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। शिविर के दौरान विद्यार्थियों को हेलमेट अधिनियम के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। न्यायाधीशों ने नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि उसके परिवार, शिक्षा एवं भविष्य को भी गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए बिना हेलमेट एवं बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन न चलाने की समझाइश दी गई। साथ ही मोबाइल एवं इंटरनेट के माध्यम से होने वाले साइबर अपराधों, ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक एवं ओटीपी साझा करने के खतरों के बारे में भी जागरूक किया गया तथा साइबर फ्रॉड से बचाव के उपाय बताए गए।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका न्यायाधीशों ने अत्यंत सरल, स्पष्ट एवं प्रेरणादायक ढंग से उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया।अंत में विद्यार्थियों को नशामुक्त जीवन, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार तथा कानून के प्रति जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया गया। यह विधिक जागरूकता शिविर विद्यार्थियों में कानूनी समझ, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं अनुशासन की भावना विकसित करने की दिशा में अत्यंत उपयोगी एवं सफल सिद्ध हुआ।

केंद्रीय जेल दुर्ग में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

दुर्ग । बंदियों के पुनर्वास और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से केंद्रीय जेल दुर्ग में आज नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा स्वस्थ, अनुशासित और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता हिमांशु जैन, प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, जिला दुर्ग ने नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं पारिवारिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने नशे से मुक्ति के प्रभावी उपायों, काउंसलिंग की भूमिका, आत्मविश्वास और दृढ़ इच्छाशक्ति के महत्व पर भी प्रकाश डाला।इस अवसर पर बंदियों ने नशामुक्त जीवन अपनाने और समाज में लौटकर जिम्मेदार नागरिक के रूप में जीवन व्यतीत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें बंदियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।जेल प्रशासन ने बताया कि बंदियों के सर्वांगीण विकास और सफल पुनर्वास के लिए समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम, योग, ध्यान, कौशल विकास एवं परामर्श गतिविधियां नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य सकारात्मक सोच विकसित करना और बंदियों को अपराध एवं नशे से दूर रखते हुए समाज की मुख्यधारा में पुनर्स्थापित करना है। कार्यक्रम में जेल अधीक्षक मनीष सम्भाकर सहित अन्य जेल स्टाफ उपस्थित रहे।

भिलाई इस्पात संयंत्र में लोहा चोरी मामला: मुख्यमंत्री को सौंपे गए दस्तावेज, केंद्रीय एजेंसियों से जांच पर बनी सहमति

भिलाई नगर। भिलाई इस्पात संयंत्र में वर्षों से जारी संगठित लोहा चोरी के कथित काले कारोबार के खिलाफ वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने इस मामले से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को सौंपते हुए निष्पक्ष और व्यापक जांच की मांग की है। मुख्यमंत्री ने प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय जांच एजेंसियों से जांच कराने पर सहमति जताई है।

विधायक सेन ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि भिलाई इस्पात संयंत्र जैसे राष्ट्रीय महत्व के सार्वजनिक उपक्रम में कथित तौर पर कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से संगठित गिरोह लंबे समय से लोहा चोरी कर रहा है, जिससे देश की बहुमूल्य संपत्ति को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। उन्होंने इसे केवल चोरी नहीं, बल्कि एक संगठित आर्थिक अपराध करार दिया।विधायक सेन का आरोप है कि इस अवैध कारोबार से अर्जित धन का उपयोग विभिन्न चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के खिलाफ भी किया गया। उन्होंने पूरे नेटवर्क की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विधायक की पहल की सराहना करते हुए कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र जैसे राष्ट्रीय संस्थान की संपत्ति की सुरक्षा राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि लोहा चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए आवश्यक और कड़े कदम उठाए जाएंगे।विधायक सेन ने बताया कि इस मुद्दे पर वे बीएसपी की विभिन्न श्रमिक एवं कर्मचारी यूनियनों से भी चर्चा कर चुके हैं। श्रमिक संगठनों ने भी संयंत्र की संपत्ति की सुरक्षा और भ्रष्ट तंत्र के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए इस अभियान का समर्थन किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मुहिम किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि वर्षों से सक्रिय संगठित तंत्र के विरुद्ध है। इस संबंध में शिकायतें केंद्रीय इस्पात मंत्री, आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो, एंटी करप्शन ब्यूरो सहित अन्य सक्षम केंद्रीय एजेंसियों को भी सौंपी जा रही हैं।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि यदि समय रहते इस संगठित गिरोह पर कार्रवाई नहीं हुई तो राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान का सिलसिला जारी रहेगा। उनका उद्देश्य दोषियों को बेनकाब कर भिलाई इस्पात संयंत्र की संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना और भविष्य में ऐसी घटनाओं पर स्थायी रोक लगाना है।

भिलाई के वरिष्ठ पत्रकार टी. सूर्याराव को रेल प्रशासन ने किया सम्मानित

टी. सूर्याराव की सजगता और तत्परता से टली बड़ी रेल दुर्घटना

भिलाई । रेल सुरक्षा के प्रति सजग नागरिक की सतर्कता से एक संभावित बड़ी रेल दुर्घटना टल गई। 22 मई को पावर हाउस रेलवे स्टेशन के समीप रेलवे ट्रैक पर फिश प्लेट के बोल्ट निकले हुए दिखाई दिए। यह स्थिति बेहद गंभीर थी और समय रहते सुधार नहीं होने पर किसी बड़े रेल हादसे का कारण बन सकती थी।

मामले की गंभीरता को समझते हुए टी. सूर्याराव ने तत्काल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (सीनियर डीसीएम) अवधेश कुमार त्रिवेदी को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही सीनियर डीसीएम ने बिना देर किए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए और प्लेटफॉर्म नंबर-2 से गुजरने वाली ट्रेनों की आवाजाही पर एहतियातन अस्थायी रोक लगा दी।

इसके बाद रेलवे का तकनीकी दल तत्काल मौके पर पहुंचा और ट्रैक की मरम्मत के साथ आवश्यक सुधार कार्य पूरा किया। सुरक्षा मानकों की पूरी तरह पुष्टि होने के बाद ही ट्रेनों का संचालन दोबारा शुरू किया गया।

सीनियर डीसीएम अवधेश कुमार त्रिवेदी ने बताया कि यदि समय पर सूचना नहीं मिलती, तो एक बड़ी रेल दुर्घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता था। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी रायपुर रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) दयानंद को भी दी। रेल सुरक्षा और जनहित के प्रति टी. सूर्याराव द्वारा दिखाई गई सजगता एवं जिम्मेदारी की सराहना करते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल ने उन्हें सम्मानित किया। सम्मान समारोह के दौरान रेलवे वाणिज्यिक विभाग के निरीक्षक बाबूराव टाटा, कलिंगा समाज रायपुर के अध्यक्ष जगदीश्वर राव तथा विष्णु केमिकल भिलाई के वाइस प्रेसिडेंट एम.वी. राव भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना में पात्र हितग्राहियों के नाम कटने से ग्रामीणों में नाराजगी, सरपंचों ने जनपद CEO से की मुलाकात

पाटन। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र हितग्राहियों के नाम सूची से कटने को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है। इसी संबंध में विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने जनपद पंचायत पाटन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से मुलाकात कर अपनी चिंता एवं मांगों से अवगत कराया। ज्ञात हो कि 24 जून को पूरे छत्तीसगढ़ की ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा का आयोजन किया गया था। ग्राम सभाओं के दौरान ग्राम सचिवों द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की पात्रता सूची का वाचन किया गया। सूची में कई ऐसे गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के नाम नहीं पाए गए, जिन्हें आवास की अत्यंत आवश्यकता है। इसके चलते विभिन्न ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों ने नाराजगी व्यक्त की। सरपंचों ने बताया कि योजना का लाभ वास्तविक और जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचना चाहिए तथा कोई भी पात्र हितग्राही लाभ से वंचित न रहे। इस संबंध में उन्होंने राज्य एवं केंद्र सरकार से भी मांग की है कि पात्र परिवारों को योजना में शामिल करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

संपादकीय

सुरक्षित नहीं बचपन, अस्पतालों तक पहुंचा बाल तस्करी का संगठित कारोबार

सवाल है कि मानव तस्करी के खिलाफ सख्त कानून के बावजूद इससे जुड़े गिरोह आसानी से बच्चों का अपहरण कर उनकी खरीद-फरोख्त कैसे करते हैं? इसमें दोराय नहीं कि यह पुलिस व्यवस्था और निगरानी तंत्र की लापरवाही और कर्तव्य में कोताही का ही नतीजा है।सरकार के तमाम दावों के बावजूद देश में बाल तस्करी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इसका जाल देश के भीतर ही नहीं, बल्कि सीमा पार तक फैला हुआ है। विभिन्न राज्यों में सक्रिय गिरोह छोटे बच्चों से लेकर नवजात शिशुओं का अपहरण करते हैं और बाद में उनकी खरीद-फरोख्त की जाती है। हैरत इस बात की है कि इन आपराधिक गतिविधियों में ऐसे लोगों के नाम भी सामने आ रहे हैं, जो लोगों का जीवन बचाने के पेशे से जुड़े हुए हैं।दिल्ली में गुरुवार को बाल तस्करी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश होना बड़ी सांठगांठ की ओर इशारा करता है। पुलिस का दावा है कि इस गिरोह में एक चिकित्सक एवं अस्पताल का मालिक भी शामिल है, जो निःसंतान दंपतियों में से संभावित खरीदारों की पहचान करता था। अगर देश की राजधानी के किसी अस्पताल में ही इस तरह की आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा है, तो दूसरे शहरों में कानून-व्यवस्था की स्थिति क्या होगी, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।सवाल है कि मानव तस्करी के खिलाफ सख्त कानून के बावजूद इससे जुड़े गिरोह आसानी से बच्चों का अपहरण कर उनकी खरीद-फरोख्त कैसे करते हैं? इसमें दोराय नहीं कि यह पुलिस व्यवस्था और निगरानी तंत्र की लापरवाही और कर्तव्य में कोताही का ही नतीजा है। दिल्ली पुलिस ने बाल तस्करी में जिन तेरह आरोपियों को गिरफ्तार किया है, वे काफी समय से विभिन्न राज्यों में सक्रिय थे। वे बच्चों का अपहरण कर उन्हें दिल्ली लाते थे और यहां एक निजी अस्पताल में उन्हें रखा जाता था। पुलिस के मुताबिक, यह गिरोह पिछले डेढ़ साल में तीस से अधिक बच्चों को बेच चुका है।सवाल यह भी कि पुलिस को इस गिरोह की भनक पहले क्यों नहीं लग पाई? क्या पुलिस का निगरानी एवं खुफिया तंत्र इतना कमजोर है कि उसे अस्पताल जैसे सार्वजनिक संस्थानों में चल रही आपराधिक गतिविधियों की भी जानकारी नहीं मिल पाती है? जाहिर है कि जब तक पुलिस प्रणाली को चुस्त-दुरुस्त और जवाबदेह नहीं बनाया जाएगा, तब तक किसी भी तरह के अपराध पर अंकुश नहीं लग पाएगा।

भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लेकर चल रहा है, लेकिन जिस देश में दुनिया की सबसे बड़ी कुपोषित आबादी बसती हो, वहां यह संकल्प किस आधार पर खड़ा होगा? केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से हाल ही में जारी राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-छह के आंकड़े देश में बाल-पोषण की जो तस्वीर प्रस्तुत करते हैं, वह एक साथ कुछ उत्साह और अधिक चिंता का विषय है। यह सर्वेक्षण देश के सैकड़ों जिलों में लाखों परिवारों के बीच कराया गया।

हर तीसरा बच्चा विकास से पीछे, कुपोषण का कुचक्र तोड़ने की सबसे बड़ी चुनौती

(सुनिधि मिश्रा)

इसके निष्कर्ष बताते हैं कि जिन मोर्चों पर सरकारी योजनाओं ने प्रगति दिखाई है, उन्हीं के समांतर पोषण-सूचकांकों की एक परेशान करने वाली तस्वीर भी सामने है। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में अवरुद्ध विकास अर्थात कद छोटा रहने की दर में पिछले सर्वेक्षण की तुलना में कुछ गिरावट अवश्य आई है, लेकिन इसका सीधा अर्थ यह है कि देश का हर तीसरा बच्चा अपनी उम्र के अनुसार समुचित ऊंचाई नहीं पा सका है।

तीव्र कुपोषण अर्थात कद के अनुपात में कम वजन की स्थिति और भी विकट है। राष्ट्रीय स्तर पर पांच में से एक बच्चा इस अवस्था से पीड़ित है और कुछ राज्यों में तो यह हर चौथे बच्चे तक पहुंच गया है। कम वजन वाले बच्चों की संख्या में भी वास्तविक सुधार नहीं हुआ है। राष्ट्रीय औसत लगभग वहीं ठहरा हुआ है, जहां पिछले सर्वेक्षण में था। तीव्र कुपोषण की यह अवस्था बच्चे की तात्कालिक दुर्दशा का संकेत है, यानी वह इस समय भूखा है, बीमार है और उसके शरीर की मांग के अनुसार उसे भोजन नहीं मिल रहा।

एक पहलू जो विशेष रूप से सोचने को विवश करता है, वह है एनीमिया से संबंधित आंकड़ों की अनुपस्थिति। पिछले सर्वेक्षण ने जब बताया था कि पांच वर्ष से कम आयु के दो-तिहाई से अधिक बच्चे और आधी से अधिक महिलाएं रक्ताल्पता की शिकार हैं, तो वे आंकड़े न केवल चौंकाने वाले थे, बल्कि 'एनीमिया मुक्त भारत अभियान' जैसी महत्त्वाकांक्षी सरकारी योजना की जमीनी विफलता को भी उजागर करते थे। सर्वेक्षण में इन संकेतकों को सूची से ही बाहर कर दिया गया है।

किसी भी लोकतंत्र में सार्वजनिक स्वास्थ्य के आंकड़े नीति-निर्माण का आधार होते हैं। जब वे आंकड़े ही गायब हो जाएं, तो नीति किस आधार पर बनेगी और जनता किस आधार पर जवाब मांगेगी? यह प्रश्न अनुत्तरित नहीं रहना चाहिए।

शिशु पोषण के क्षेत्र में स्तनपान और पूरक आहार की स्थिति भी गंभीर चिंता पैदा करती है। कुछ ही वर्षों में छह माह तक स्तनपान की दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है। जो माताएं पहले अपने शिशुओं को पर्याप्त समय तक स्तनपान कराती थीं, उनकी संख्या तेजी से घट रही है। इससे भी अधिक चिंताजनक यह है कि छह से तेईस माह के केवल बारह फीसद बच्चों को ही न्यूनतम स्वीकार्य आहार मिल पा रहा है।

पोषण-विज्ञान बार-बार यह रेखांकित करता है कि जन्म से दो वर्ष की आयु तक के एक हजार दिन बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास की दृष्टि से सर्वाधिक निर्णायक होते हैं। यदि इस अवधि में पोषण कम हो जाए, तो उसकी भरपाई उम्र भर

नहीं होती। यह तथ्य इन आंकड़ों को और भी गहरा और कठोर बना देता है।

यह समझना आवश्यक है कि कुपोषण का यह संकट एक समान नहीं फैला है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों, उच्च और निम्न आय वर्गों, सामान्य और अनुसूचित जाति तथा जनजातीय समुदायों के बीच पोषण की विषमता गहरी है। जो जिले पहले से ही विकास की दौड़ में पीछे हैं, वहां बच्चों और महिलाओं के शरीर में खून की कमी भी सबसे अधिक है। कुपोषण के सभी रूप विकट हैं। गरीबी, पिछड़ापन और कुपोषण एक-दूसरे को और गहरा करते हैं।

सवाल यह है कि जब विकास के लाभ इन खाइयों को नहीं पाट पाते, तो राष्ट्रीय औसत किसकी कहानी बयान कर रहा है? आबादी बसती हो, वहां यह संकल्प किस आधार पर खड़ा होगा? यह प्रश्न केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय नैतिकता का भी है।

महंगाई ने निर्धन परिवारों की थाली से दाल, हरी सब्जियां और दूध को और दूर कर दिया है। उधर, बाजार ने गांवों में पोषणरहित प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की पहुंच सुनिश्चित कर दी है, जिनमें शर्करा और वसा तो भरपूर होती है, लेकिन शरीर के लिए आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्त्व नहीं। सर्वेक्षण-छह स्वयं इस दोहरे बोझ की ओर इशारा करता है। एक तरफ अल्पपोषण और दूसरी तरफ बड़ी संख्या में वयस्कों में मोटापे और मधुमेह की बढ़ती दर।

इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन भी खाद्य कुपोषण को केवल स्वास्थ्य विभाग का विषय मानना उसकी गहराई और व्यापकता को नकारना होगा। एक कुपोषित बच्चे का मस्तिष्क उतना विकसित नहीं हो पाता। विश्व स्वास्थ्य संगठन मानता है कि कुपोषण से होने वाली उत्पादकता की हानि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ डालती है।

भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लेकर चल रहा है, लेकिन जिस देश में दुनिया की सबसे बड़ी कुपोषित आबादी बसती हो, वहां यह संकल्प किस आधार पर खड़ा होगा? यह प्रश्न केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय नैतिकता का भी है।

महंगाई ने निर्धन परिवारों की थाली से दाल, हरी सब्जियां और दूध को और दूर कर दिया है। उधर, बाजार ने गांवों में पोषणरहित प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की पहुंच सुनिश्चित कर दी है, जिनमें शर्करा और वसा तो भरपूर होती है, लेकिन शरीर के लिए आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्त्व नहीं। सर्वेक्षण-छह स्वयं इस दोहरे बोझ की ओर इशारा करता है। एक तरफ अल्पपोषण और दूसरी तरफ बड़ी संख्या में वयस्कों में मोटापे और मधुमेह की बढ़ती दर।

इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन भी खाद्य विविधता पर अप्रत्यक्ष प्रहार कर रहा है। असमान वर्षा और बढ़ते तापमान से छोटे किसानों का उत्पादन प्रभावित होता है।

किशोरियों और गर्भवती महिलाओं के पोषण की अनदेखी की समस्या बेहद गंभीर है। कुपोषित माता से जन्मा शिशु कम वजन का होता है और जन्म के पहले दिन से ही पोषण की कमी का बोझ उठाता है। पिछले सर्वेक्षण ने बताया था कि देश की अधिकांश किशोरियां और गर्भवती महिलाएं रक्ताल्पता से पीड़ित हैं। यह संख्या इतनी बड़ी है कि इसे अपवाद नहीं कहा जा सकता। जब तक किशोरावस्था से लेकर मातृत्व तक के पूरे जीवन-चक्र में पोषण सुनिश्चित नहीं होता, तब तक यह कुचक्र नहीं टूटेगा।

इस परिदृश्य में सरकारी प्रयासों का तटस्थ मूल्यांकन भी आवश्यक है। पोषण अभियान और आंगनबाड़ी के अंतर्गत लाखों केंद्रों को संसाधन और प्रशिक्षण दिए गए हैं। प्रधानमंत्री पोषण योजना के माध्यम से स्कूलों में पका भोजन करोड़ों बच्चों तक पहुंच रहा है। सर्वेक्षण-छह यह भी बताता है कि प्रसव लगभग पूरी तरह संस्थागत हो चुके हैं और बच्चों का टीकाकरण भी संतोषजनक स्तर तक पहुंच गया है। ये उपलब्धियां वास्तविक हैं।

मगर राशन की गुणवत्ता तथा विविधता अभी भी संतोषजनक नहीं है। केवल अनाज और दाल वितरित करने से पोषण नहीं मिलता। इसके लिए परिवार में यह जागरूकता भी होनी चाहिए कि क्या खाना है और क्या नहीं।

इस संकट से पार पाने का रास्ता किसी एक विभाग या किसी एक योजना से नहीं निकलेगा। कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास और पेयजल-स्वच्छता, इन सभी क्षेत्रों के बीच वास्तविक और क्रियाशील समन्वय बेहद जरूरी है।

स्थानीय और पारंपरिक अनाज जैसे बाजरा, ज्वार, रागी और कोदो की थाली में वापसी तभी संभव होगी, जब वे सस्ते हों और आम लोगों के लिए सुलभ हों। साथ ही उनके पोषण-गुणों के बारे में परिवारों को जानकारी होनी चाहिए। सरकार का 'श्री अन्न' कार्यक्रम सही दिशा में है, लेकिन उसे जन-जागरूकता और बाजार-सुलभता से जोड़े बिना वह नीतिगत घोषणा से आगे नहीं बढ़ पाएगा।

कानून सम्मत 'अनैतिकता' के दौर में भारतीय राजनीति

(रंगनाथ सिंह)

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी ने पहली बार सरकार बनाकर इतिहास रचा मगर इससे ज्यादा चर्चा तृणमूल कांग्रेस के टूट को लेकर हो रही है। शायद यह पहली बार हो रहा है कि चुनाव के ठीक बाद सत्ता में रहे दल के दो-तिहाई विधायक और सांसद बगावत कर बैठे हों।

ज्यादातर राजनीतिक विश्लेषक टीएमसी विधायक दल और संसदीय दल के टूटने के कानूनी नुक्तों की व्याख्या कर रहे हैं। ऐसा ही एक नुक्ता था, दो-तिहाई संसदीय दल को अलग होने के लिए किसी दल में विलय करना होगा। फिर खबर आयी कि टीएमसी के बागी सांसद एक नामालूम से क्षेत्रीय दल एनसीपीआई में शामिल हो रहे हैं।

इसी तरह की नुक्ताचीनी टीएमसी के बागी विधायक दल के नेता ऋव्रत बनर्जी को नेता विपक्ष का दर्जा देने को लेकर भी की गयी। राजनीतिक जानकार इस बात की खाल निकाल रहे हैं कि सदन में विधायक दल का नेता चुनने का अधिकार पार्टी का है या विधायक दल खुद ही अपना नेता चुन सकता है।

टीएमसी के अंदर फूट का मुद्दा अभी ठण्डा भी नहीं हुआ था कि शिव सेना (यूबीटी) के अन्दर टूट की खबर आ गयी। शिव सेना चार साल पहले ही टूटी थी। तब पार्टी नेता एकनाथ शिंदे ने पार्टी की कमान और निशान पर नियंत्रण हासिल कर लिया था। पार्टी संस्थापक बालासाहब ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे के गुट ने अपना नाम शिव सेना - यूबीटी (उद्धव बालासाहब ठाकरे) रखा। अब वह गुट भी टूट गया। शिव सेना के अलावा महाराष्ट्र के एक अन्य दिग्गज शरद पवार की पार्टी एनसीपी में भी टूट हुई और वह दो धड़ों में बँट गयी।

टीएमसी से ठीक पहले आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसदों की बगावत और भाजपा में विलय का मुद्दा राजनीतिक शुचिता के बजाय दलबदल कानून की नुक्ताचीनी का शिकार हो कर रह गया। इस तरह के मामलों की लिस्ट बनाते जाएँ तो पिछले एक दशक में दस से ज्यादा मामले याद दिलाए जा सकते हैं जिनमें खुली राजनीतिक अनैतिकता को कानूनी नुक्ते से विश्लेषित करने की होड़ लगी रही।

टीएमसी के दो-तिहाई सांसदों द्वारा पार्टी तोड़कर किसी अन्य दल में शामिल होना कानूनी रूप से सही हो तब भी यह नहीं झुठलाया जा सकता है कि इनमें से ज्यादातर टीएमसी के टिकट पर चुनाव जीते थे और उनकी जीत में ममता बनर्जी और उनकी पार्टी का बड़ा योगदान है। चूँकि लोक सभा चुनाव 2029 में होने हैं इसलिए इन नेताओं को तत्काल जनता के बीच जाने का डर नहीं है। कुछ को यह भी भरोसा होगा कि जिस तरह विधान सभा चुनाव में हिन्दुत्व की लहर चली उसी तरह आगामी लोक सभा में भी बंगाल में भगवा लहराएगा। इसलिए इन सांसदों ने कानून-सम्मत अनैतिकता का रास्ता चुन लिया।

भारत विभाजन के बाद जब नए देश के संविधान का निर्माण हुआ तब किसी नीति-निर्माता को इस तरह की स्थिति का अंदाज नहीं था। आजादी मिलने के बाद कई दशकों तक ऐसे किसी कानून की जरूरत नहीं महसूस की गयी। दलबदल कानून संविधान लागू होने के करीब 35 साल बाद राजीव गांधी शासन में बना। मगर दलबदल कानून बनने के बावजूद इस प्रवृत्ति पर रोक नहीं लग सकी क्योंकि जिस समाज में नैतिकता का ह्रास होने लगे वहाँ कानून की सीमा संकुचित हो जाती है।

अब दलबदल नैतिकता या जनता को धोखा देने का मसला नहीं रहा बल्कि कानूनी नुक्ते दुरुस्त रखने का विषय हो चुका है। अगर सारे कानूनी पेंच चुस्त रखें जाएँ तो अपना दल या दूसरे का दल तोड़ने में किसी को संकोच नहीं होता बस सत्ता मिलनी चाहिए। टीएमसी के मामले में भी ऐसा ही हुआ है। टीएमसी समर्थकों के बिफरने पर आलोचकों ने उन्हें याद दिलाया कि साल 2021 में मेघालय कांग्रेस के 17 में से 12 विधायकों ने टीएमसी में अपना विलय कर लिया था। यानी टीएमसी को भी तब नैतिकता की याद नहीं आयी जब दूसरी पार्टी के विधायक अपनी पार्टी तोड़कर उसमें शामिल हो रहे थे। कहना न होगा, वर्तमान भारतीय राजनीति कानून सम्मत अनैतिकता के दौर में जी रही है। लगता है कि किसी नेता या पार्टी की आत्मा पर राजनीतिक शुचिता का बोझ नहीं बचा है। इसलिए अब जनता को ही फैसला करना होगा कि दलबदलुओं को दुबारा वोट देना चाहिए या नहीं! (यह लेखक के अपने विचार है)

दृष्टिकोण बदलते ही खुलने लगती हैं जीवन की नई संभावनाएं

(संध्या अग्रवाल)

मनुष्य की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि वह सीख सकता है और बदल सकता है। हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं जहां तुलना बहुत सहज हो गई है। हम अक्सर जीवन को एक तय कहानी की तरह देखने लगते हैं। जैसे हम वही हैं जो इस समय हैं और हमारे भीतर बदलने की कोई विशेष गुंजाइश नहीं है। हम अपनी पहचान को अपने वर्तमान हालात, उपलब्धियों या असफलताओं के आधार पर स्थिर मान लेते हैं। मगर सच यह है कि मनुष्य का जीवन किसी स्थिर रूप में बंधा हुआ नहीं होता। वह हर दिन अपने विचारों, अनुभवों और निर्णयों से बनता और बदलता रहता है। जीवन केवल घटनाओं का क्रम नहीं, बल्कि उन्हें देखने और समझने की प्रक्रिया भी है।

हम अपने बारे में जो मान लेते हैं, वही धीरे-धीरे हमारे व्यवहार का आधार बन जाता है। यदि कोई व्यक्ति स्वयं को कमजोर मानता है, तो वह चुनौतियों का सामना करने से पहले ही पीछे हटने लगता है। वह जोखिम लेने से बचता है और अवसरों को खो देता है। इसके विपरीत, जो व्यक्ति स्वयं को सीखने और बदलने योग्य मानता है, वह कठिन परिस्थितियों में भी रास्ते खोजने लगता है।यही अंतर आगे चलकर उसके जीवन की दिशा निर्धारित करता है। यहीं से यह समझ विकसित होती है कि जीवन केवल परिस्थितियों का परिणाम नहीं है, बल्कि दृष्टिकोण का भी परिणाम है। कोई समस्या मानकर रुक जाता है, तो कोई उसे अवसर मानकर आगे बढ़ता है।

हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं जहां तुलना बहुत सहज हो गई है। सोशल मीडिया और बाहरी दुनिया की चमक ने हमारे देखने के तरीके को प्रभावित किया है। हम दूसरों के जीवन का वह हिस्सा देखते हैं, जो सबसे बेहतर होता है, लेकिन उसके पीछे छिपा संघर्ष नहीं देख पाते।

परिणाम यह होता है कि हम अपने जीवन को कमतर आंकने लगते हैं और यह मान लेते हैं कि हम पीछे हैं। यह तुलना धीरे-धीरे हमारे आत्मविश्वास को कमजोर करती है। व्यक्ति अपनी क्षमताओं पर संदेह करने लगता है। जबकि वास्तविकता यह होती है कि वह केवल एक अधूरी तस्वीर के आधार पर खुद को परख रहा होता है। यह स्थिति व्यक्ति को अपने वास्तविक स्वरूप से दूर कर देती है।

कई बार हम अपने अतीत के अनुभवों को ही अपनी पहचान बना लेते हैं। कुछ असफलताएं, कुछ गलत निर्णय या कुछ सीमित अवसर हमारे भीतर यह धारणा बना देते हैं कि हम ऐसे ही हैं और इससे आगे नहीं बढ़ सकते। धीरे-धीरे यह धारणा हमारी सोच की सीमा बन जाती है। अगर हम ठहरकर विचार करें, तो यह स्पष्ट होता है कि अतीत केवल एक अनुभव है, अंतिम सत्य नहीं।

मनुष्य की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि वह सीख सकता है और बदल सकता है। इतिहास और समाज में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहां लोगों ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपने जीवन की दिशा बदली है। यह बदलाव किसी चमत्कार से नहीं, बल्कि सोच में आए परिवर्तन से संभव हुआ है।

परिवर्तन का आरंभ भीतर से होता है। जब हम खुद को नए नजरिए से देखने लगते हैं, तो हमारी संभावनाएं भी खुलने लगती हैं। जो बातें पहले असंभव लगती थीं, वे धीरे-धीरे संभव लगने लगती हैं। यह बदलाव एक दिन में नहीं आता, बल्कि छोटे-छोटे प्रयासों और निरंतर अभ्यास से विकसित होता है। जो व्यक्ति हर समस्या को केवल बाधा मानता है, वह जल्दी हार मान लेता है। मगर जो व्यक्ति उसी समस्या को सीख के रूप में देखता है, वह समाधान खोजने का प्रयास करता है। धीरे-धीरे यही प्रयास उसे आगे बढ़ाते हैं और व्यक्ति अपने भीतर नई क्षमताएं विकसित कर लेता है। यहां यह समझना भी जरूरी है कि सकारात्मक दृष्टिकोण का अर्थ समस्याओं को नकारना नहीं है। इसका अर्थ यह है कि हम समस्याओं को स्वीकार करते हुए भी उनसे घबराते नहीं हैं, बल्कि उनका सामना करने की मानसिक तैयारी रखते हैं। यही तैयारी व्यक्ति को मजबूत बनाती है।

हम अक्सर बाहरी बदलावों के पीछे भागते हैं– बेहतर नौकरी, बेहतर साधन, बेहतर माहौल। मगर भीतर का नजरिया नहीं बदलता, तो बाहर की उपलब्धियां भी स्थायी संतोष नहीं दे पातीं। इसके विपरीत, व्यक्ति का दृष्टिकोण संतुलित और सकारात्मक हो, तो वह सीमित परिस्थितियों में भी संतोष और अर्थ खोज सकता है।

इसीलिए जीवन का सबसे महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि हमारे पास क्या है, बल्कि यह है कि हमारे पास जो है, उसे किस दृष्टि से देख रहे हैं। एक ही स्थिति किसी के लिए अभाव बन सकती है और किसी के लिए अवसर। यह पूरी तरह हमारे सोचने के तरीके पर निर्भर करता है।

धीरे-धीरे यही सोच हमारे जीवन का स्वरूप तय करती है। अगर हम खुद को सीमाओं में देखेंगे, तो हमारा जीवन भी सीमित होता जाएगा, लेकिन हम अपने भीतर संभावनाएं देखना शुरू करेंगे, तो जीवन का विस्तार अपने आप होने लगेगा। यही वह बिंदु है, जहां व्यक्ति अपने जीवन की जिम्मेदारी स्वयं लेने लगता है। यह समझना आवश्यक है कि जीवन कोई स्थिर ढांचा नहीं है। यह एक निरंतर बनने और बदलने वाली प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया में सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका हमारे विचारों, दृष्टिकोण और निर्णयों की होती है। हम जैसे अपने जीवन को देखते हैं, वैसा ही जीवन धीरे-धीरे हमारे सामने आकार लेने लगता है। आज के समय में, जब मानसिक तनाव, असंतोष और आत्म-संदेह जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं, यह और भी जरूरी हो जाता है कि हम अपने दृष्टिकोण पर ध्यान दें। केवल बाहरी उपलब्धियों से जीवन संतुलित नहीं होता, बल्कि भीतर की स्पष्टता और संतोष भी उतने ही आवश्यक हैं। अगर हम अपने भीतर सकारात्मक और यथार्थवादी

संक्षिप्त समाचार

सुंदर नगर में जलभराव की समस्या दूर करने महापौर ने किया निरीक्षण, नई पुलिया निर्माण के दिए निर्देश

रायपुर। राजधानी रायपुर के सुंदर नगर क्षेत्र में जलभराव की समस्या को गंभीरता से लेते हुए महापौर मीनल चौबे ने मंगलवार को काशी होटल के पास स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने क्षेत्र में जल निकासी की व्यवस्था का जायजा लिया और समस्या के स्थायी समाधान के लिए नई पुलिया का निर्माण शीघ्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। महापौर ने कहा कि बारिश के दौरान क्षेत्र में जलभराव की समस्या से स्थानीय नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसे देखते हुए जल्द से जल्द आवश्यक कार्यवाही कर नई पुलिया का निर्माण कराया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। इस दौरान नगर निगम जोन-5 के अध्यक्ष अम्बर अग्रवाल, जोन कमिश्नर खीरसागर नायक, कार्यपालन अभियंता लाल महेंद्र प्रताप सिंह, सहायक अभियंता नागेश रामटेके, उप अभियंता प्राची चौबे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी संदीप वर्मा और स्वच्छता निरीक्षक दिलीप साहू सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। महापौर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बारिश के मौसम में शहर के किसी भी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति न बने, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं।

टाटीबंध सर्विस रोड पर जलभराव की समस्या का महापौर ने किया निरीक्षण

रायपुर। राजधानी रायपुर में बारिश के दौरान जलभराव की समस्या के निराकरण के लिए महापौर मीनल चौबे लगातार मैदानी निरीक्षण कर रही हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को महापौर ने नगर निगम जोन क्रमांक-8 अंतर्गत टाटीबंध स्थित श्री राम स्टील और केडिया इंडस्ट्रीज के पास सर्विस रोड का निरीक्षण कर जलभराव की समस्या का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सर्विस रोड और मुख्य मार्ग के लेवल में अंतर होने के कारण बारिश के दौरान सर्विस रोड पर पानी भर जाता है। इसके अलावा कई स्थानों पर नालियां क्षतिग्रस्त हैं तथा उनकी क्षमता भी पर्याप्त नहीं है, जिससे जल निकासी प्रभावित होती है और जलभराव की स्थिति निर्मित होती है। महापौर मीनल चौबे ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नेशनल हाईवे की तकनीकी टीम के साथ समन्वय स्थापित कर समस्या के स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को बारिश के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और जल निकासी की व्यवस्था को दुरुस्त किया जाना आवश्यक है।

नव्या मलिक ड्रग्स केस में ईडी की एंट्री, मनी लॉन्ड्रिंग एंगल से होगी जांच

रायपुर। राजधानी रायपुर के बहुचर्चित नव्या मलिक ड्रग्स मामले में अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की भी एंट्री हो गई है। ईडी ने मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से जांच शुरू करते हुए रायपुर पुलिस से चार्जशीट समेत अन्य अहम दस्तावेज मांगे हैं। सूत्रों के अनुसार, पुलिस जांच में यह बात सामने आई थी कि ड्रग्स सप्लाई नेटवर्क के संचालन में डिजिटल प्लेटफॉर्म और मोबाइल फोन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा रहा था। इसके अलावा अवैध कारोबार से जुड़े वित्तीय लेन-देन की भी आशंका जताई गई थी, जिसके बाद अब ईडी ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। पुलिस जांच में करीब 850 हाई-प्रोफाइल लोगों के इस कथित नेटवर्क से जुड़े होने की जानकारी सामने आई है। इनमें होटल, पब और क्लब व्यवसाय से जुड़े कुछ लोगों के नाम भी जांच के दायरे में बताए जा रहे हैं। हालांकि, किसी भी व्यक्ति की संलिप्तता को लेकर अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि ईडी संदिग्ध बैंक खातों, डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म और संभावित काले धन के प्रवाह की जांच कर रही है। एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि कथित ड्रग्स कारोबार से अर्जित धन को किन-किन माध्यमों से खपाया गया। ईडी की एंट्री के बाद इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच और व्यापक हो गई है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में जांच के दौरान कई बड़े खुलासे सामने आ सकते हैं।

मोवा अंडरब्रिज में सीसी रोड के निर्माण से पानी भरने की समस्या हल हुई

रायपुर। लंबे अर्से से मोवा ओव्हरब्रिज में लग रहे जाम से लोगों को रोज आवाजाही में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। समस्या के विकल्प के रूप में राज्य के लोक निर्माण विभाग द्वारा अंडरब्रिज का निर्माण किया गया था। वर्षाकाल में अंडरब्रिज में पानी भरने की वजह से वाहन चालकों की आवाजाही प्रभावित होती थी। विगत लगभग दो महीनों के बाद हाल ही में अंडरब्रिज यातायात के लिए खोला गया है। सीसी रोड का निर्माण करवाने के साथ ही सीसी रोड के दोनों ओर गहरी नाली का निर्माण करवाया गया है। हाल ही में हुई अल्पकालीन वर्षा से सीसी रोड में पानी का भराव नहीं हुआ है ।

अमित शाह से मिले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

छग में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के स्थापना का प्रस्ताव

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ को आयुर्वेद चिकित्सा, अनुसंधान और उच्च शिक्षा के राष्ट्रीय केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य के विकास, जनकल्याण और विभिन्न समसामयिक विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए छत्तीसगढ़ में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (ढ्ढ) की स्थापना का आग्रह किया। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री के साथ छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा भी थे। मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री को बताया कि नई दिल्ली और पणजी में संचालित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान देश में आयुर्वेद आधारित चिकित्सा, अनुसंधान और नवाचार के उत्कृष्ट केंद्र के रूप में स्थापित हो चुके हैं। इन संस्थानों ने आधुनिक विज्ञान और पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के समन्वय से स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा दी है तथा बड़ी संख्या में दक्ष आयुर्वेद चिकित्सक और शोधकर्ता तैयार किए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों और औषधीय संपदा से समृद्ध राज्य है। प्रदेश का बड़ा हिस्सा वनाच्छादित है, जहां अनेक दुर्लभ औषधीय वनस्पतियां और जड़ी-बूटियां प्राकृतिक रूप से उपलब्ध हैं। जनजातीय अंचलों में पारंपरिक औषधीय ज्ञान की समृद्ध विरासत भी मौजूद है। ऐसे में यहां अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की स्थापना आयुर्वेद चिकित्सा और अनुसंधान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि ढ्ढ की स्थापना से प्रदेशवासियों को उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी, वहीं युवाओं को राष्ट्रीय स्तर के संस्थान में अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान के अवसर प्राप्त होंगे। इससे आयुर्वेद आधारित चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा और छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य, शिक्षा तथा अनुसंधान के क्षेत्र में एक नई पहचान स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि संस्थान का लाभ

केवल छत्तीसगढ़ तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि मध्य भारत के व्यापक क्षेत्र को मिलेगा। पड़ोसी राज्यों के नागरिकों को भी बेहतर आयुर्वेदिक उपचार और शोध सुविधाओं का लाभ प्राप्त हो सकेगा। श्री साय ने केंद्रीय बजट 2026 में देश में तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थानों की स्थापना की घोषणा का उल्लेख करते हुए आग्रह किया कि इनमें से एक संस्थान छत्तीसगढ़ को प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि यह संस्थान राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के साथ-साथ रोजगार, अनुसंधान और ज्ञान आधारित विकास को भी नई गति देगा। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने बस्तर सहित राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों, अधोसंरचना विस्तार और जनहितकारी योजनाओं की प्रगति की जानकारी भी केंद्रीय गृह मंत्री को दी। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने राज्य में विकास और जनकल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

बस्तर में विकास और जनविश्वास का मजबूत हो रहा है आधार

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह से मुलाकात कर बस्तर सहित राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि बस्तर में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल एवं संचार सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ शासन की योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। सेवा केंद्रों एवं जनसुविधा केंद्रों के माध्यम से लोगों को शासकीय सेवाएं उनके घर के निकट उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सीएम के निर्देश पर अवैध खनन के खिलाफ सख्त अभियान किया

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई लगातार तेज की जा रही है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि खनिज संपदा के अवैध दोहन तथा शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने जैसी गतिविधियों को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी कड़ी में संचालक भौमिकी एवं खनिकर्म तथा केंद्रीय खनि उड़नदस्ता प्रभारी श्री रजत बंसल के निर्देशन में केंद्रीय खनि उड़नदस्ता और संबंधित जिला प्रशासन की संयुक्त टीमों ने 22 जून को मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर और सरगुजा जिलों में व्यापक जांच अभियान चलाया। शिकायतों के आधार पर की गई इस कार्रवाई में विभिन्न स्थानों पर खनिजों के अवैध परिवहन में संलिप्त कुल सात वाहनों को जप्त किया गया।जांच के दौरान मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के बरबसपुर क्षेत्र में निम्न श्रेणी चूना पत्थर से लदे दो हाइवा, सूरजपुर जिले के लटोरी में रेत से भरा एक हाइवा तथा खड़गवां में एक टिप्पर पकड़ा गया। वहीं सरगुजा जिले के सकालो और अंबिकापुर क्षेत्र में रेत परिवहन कर रहे तीन टिप्परों पर कार्रवाई की गई। सभी वाहनों को खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 के प्रावधानों के तहत जप्त कर संबंधित थानों में सुरक्षित रखा गया है।कार्रवाई के दौरान अंबिकापुर के गांधी चौक क्षेत्र में एक गंभीर घटना भी सामने आई। जांच कर रही टीम के साथ वाहन मालिक, चालक और उनके सहयोगियों द्वारा कथित रूप से अभद्र व्यवहार, गाली-गलौच और धमकी दी गई तथा शासकीय कार्य में व्यवधान उत्पन्न किया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत थाना गांधीनगर में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।खनिज विभाग ने दोहराया है कि अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। विभाग ने चेतावनी दी है कि कानून का उल्लंघन करने, अधिकारियों को धमकाने अथवा अवैध गतिविधियों को संरक्षण देने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

उरला में अवैध शराब बिक्री करते युवक को पुलिस ने दबोचा

रायपुर। राजधानी रायपुर के उरला थाना क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री के खिलाफपुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 31 पौवा देशी शराब और बिक्री से प्राप्त नकदी बरामद की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अमित तुकाराम कांबले के निर्देश पर अवैध शराब के कारोबार और तस्करी पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के तहत 22 जून को सूचना मिली कि उरला स्थित शराब भट्ठी के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री के लिए ग्राहकों की तलाश कर रहा है। सूचना पर थाना उरला पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ा।

सहकारिता सप्ताह को जनआंदोलन बनाने की तैयारी

राज्य स्तरीय आयोजन को लेकर मंत्री केदार कश्यप ने ली समीक्षा बैठक......

■ 29 जून से 6 जुलाई तक पूरे प्रदेश में मनाया जाएगा सहकारिता सप्ताह

रायपुर/ संवाददाता

भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 29 जून से 6 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाले सहकारिता सप्ताह की तैयारियों को लेकर नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने विभागीय अधिकारियों तथा विभिन्न सहकारी संस्थाओं एवं महासंघों के प्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में देश में सहकारिता क्षेत्र को नई पहचान मिली है। सहकारिता आज किसानों की समृद्धि, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का प्रभावी माध्यम बन चुकी है। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि सहकारिता सप्ताह केवल औपचारिक आयोजन न होकर जनभागीदारी का अभियान बने। इसके लिए राज्य के सभी जिलों, विकासखंडों और सहकारी समितियों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएं तथा किसानों, युवाओं, महिलाओं और आम नागरिकों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए। श्री कश्यप ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सप्ताहभर चलने वाले कार्यक्रमों में जागरूकता, सहभागिता और नवाचार को प्राथमिकता दी जाए। लोगों को सहकारी योजनाओं, उपलब्धियों और लाभों की जानकारी दी जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग सहकारिता से जुड़ सकें।

सुकमा के सुदूर अंचलों में गूंजी शिक्षा की गूंज

■ जगरगुंडा में भव्य शाला प्रवेशोत्सव, शासन की योजनाओं का मिला सीधा लाभ

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री के मंशानुरूप और जिला प्रशासन के कुशल मार्गदर्शन में सुकमा जिले के नक्सल प्रभावित रहे व सुदूर विकासखंड कोंटा अंतर्गत जगरगुंडा में संकुल स्तरीय 'शाला प्रवेशोत्सव' का अभूतपूर्व व उत्साहजनक आयोजन किया गया। जगरगुंडा, सिलगेर, मिसिगुड़ा, मिलमपल्ली एवं बंजेपल्ली जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रशासन का यह प्रयास बेहद सराहनीय रहा। कार्यक्रम में पहली बार स्कूल की दहलीज पर कदम रखने वाले नवप्रवेशी नन्हे-मुन्नों का तिलक लगाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर भावभीना स्वागत किया गया। इसके साथ ही बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का मान बढ़ाने वाले मेधावी छात्रों को भी मंच पर सम्मानित किया गया, जो क्षेत्र में बदलते शैक्षणिक परिवेश और प्रशासन की मेहनत का प्रत्यक्ष प्रमाण है। शासन की जनक ल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारते हुए कार्यक्रम में उपस्थित सभी नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं को राज्य सरकार की योजना के तहत नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकें, कॉपियां, पेन और गणवेश (यूनिफॉर्म) का वितरण किया गया। शिक्षा सत्र के पहले ही दिन सारी जरूरी शिक्षण सामग्री हाथों में पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे और स्थानीय अभिभावकों में प्रशासन के प्रति भारी उत्साह व विश्वास देखा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य कोरसा सन्नू सहित विशिष्ट अतिथियों, स्थानीय जन-प्रतिनिधियों और प्रबुद्ध नागरिकों ने बच्चों को शासन की इन सुविधाओं का लाभ उठाकर मन लगाकर पढ़ने तथा जीवन में निरंतर आगे बढ़ने का संदेश दिया। इस गरिमामयी अवसर पर जन-प्रतिनिधियों ने प्रशासन की पीठ थपथपाते हुए कहा कि शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है और राज्य सरकार का यह अभियान हर बच्चे को उसका यह बुनियादी अधिकार दिलाने के लिए पूरी तरह संकल्पित है।

24 घंटे के भीतर ब्लाइंड मर्डर का खुलासा, नाबालिग सहित दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के खमतराई थाना क्षेत्र स्थित डब्ल्यूआरएस कॉलोनी के क्रिकेट मैदान में हुई युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर सनसनीखेज खुलासा करते हुए एक आरोपी और विधि के साथ संघर्षरत एक बालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त एक्टिवा वाहन के साथ चोरी की दो पल्सर बाइक भी बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, 21 जून को डब्ल्यूआरएस कॉलोनी स्थित क्रिकेट मैदान के पास एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ था। शव के सिर पर गंभीर चोट के निशान थे, जिससे हत्या की आशंका जताई गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ जोन) मयंक गुर्जर के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा खमतराई थाना पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान मृतक की पहचान शहीद नगर, खमतराई निवासी रूपेश सारथी (35 वर्ष) के रूप में हुई। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले, मुखबिरों को सक्रिय किया और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर गोवर्धन नगर निवासी शिवा सोनानी उर्फ तुषार (20 वर्ष) को हिरासत में लिया।

तकनीक, नवाचार और किसान हितैषी योजनाओं से कृषि बनेगी अधिक लाभकारी एवं आत्मनिर्भर

रायपुर/ संवाददाता

लखनपुर (अंबिकापुर) स्थित जुनाडीह मल्टीप्लेक्स में एक निजी चैनल द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को सुना। कार्यक्रम में क्षेत्र के कृषक, जनप्रतिनिधि, कृषि क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ तथा गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, सरकारी योजनाओं और कृषि में नवाचार के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने तथा कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज खेती केवल परंपरागत गतिविधि नहीं रह गई है, बल्कि तकनीक, वैज्ञानिक पद्धतियों और नवाचारों के माध्यम से इसे आधुनिक व्यवसाय का स्वरूप दिया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि किसानों को बीज, सिंचाई, उर्वरक, कृषि यंत्रों और बाजार की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों, जिससे उनकी उत्पादन क्षमता और आय दोनों में वृद्धि हो। श्री अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं का लाभ अब गांव-गांव तक पहुंच रहा है। कृषि यंत्रीकरण, सूक्ष्म सिंचाई, फसल विविधीकरण और मूल्य संवर्धन जैसी पहलें किसानों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने किसानों से नई तकनीकों को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि आधुनिक कृषि ही भविष्य की समृद्धि का आधार है। कार्यक्रम में किसानों ने भी खेती-किसानी से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे तथा कृषि क्षेत्र की चुनौतियों और संभावनाओं पर चर्चा की। मंत्री श्री अग्रवाल ने किसानों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान और कृषि विकास के लिए सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। इस अवसर पर मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि हमारा संकल्प है कि तकनीक, नवाचार और किसान हितैषी योजनाओं के माध्यम से छत्तीसगढ़ में कृषि को और अधिक समृद्ध, आधुनिक एवं आत्मनिर्भर बनाया जाए। किसान समृद्ध होंगे तो गांव समृद्ध होंगे और गांव समृद्ध होंगे तो छत्तीसगढ़ विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। उपस्थित किसानों ने ऐसे संवाद कार्यक्रमों को उपयोगी बताते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

कौशल विकास तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग की समन्वय सह निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न....

रायपुर/ संवाददाता

मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में कौशल विकास तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग की समन्वय सह निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में प्रदेश के अनुसूचित जनजाति क्षेत्र में जनजाति समूहों एवं अन्य वंचित वर्गों के गरीब युवाओं, महिलाओं एवं तृतीय लिंग को संस्थागत विकास हेतु व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और ग्रामीण उद्यमिता के संबंध में चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने प्रदेश के जनजाति समूहों, अन्य वंचित वर्गों एवं गरीब युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण देकर रोजगार प्रदान करने के लिए व्यापक कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए है। बैठक में पैन आईआईटी एलुमनीं रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन द्वारा

प्रदेश के अनुसूचित जाति बाहुल्य ईलाकों में व्यवसायिक शिक्षा, कौशल विकास और ग्रामीण उद्यमिता के माध्यम से वहां के रहवासियों को सशक्त बनाने एवं उनके विकास के लिए किए जा रहे कार्यो का प्रस्तुतिकरण के जरिये जानकारी दी। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन और पैन आईआईटी एलुमनीं रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन के मध्य एक गैरलाभकारी संयुक्त उद्यम कंपनी गठन करने का निर्णय लिया गया है। यह संस्था अनुसूचित जनजाति एवं अन्य वंचित समुदायों के गरीब युवाओं एवं महिलाओं तथा तृतीय लिंग के संस्थागत विकास हेतु व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और ग्रामीण उद्यमिता माध्यम से उन्हें सशक्त बनायेगा एवं उनके सर्वांगिण विकास के लिए काम करेगा। बैठक में पैन आईआईटी एलुमनीं रीच फॉर इंडिया फाउंडेशन के अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जनजातिय क्षेत्रों में तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास के लिए कौशल विकास योजनाओं को लागू करने के लिए मजबूत संस्थागत ढांचा तैयार किया जाएगा। युवाओं को ट्रेनिंग और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएं जाएंगे। युवाओं का उनकी रूचि और बाजार की मांग के अनुसार विभिन्न टेड्डों में आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि संस्था द्वारा केवल कौशल विकास ही नहीं बल्कि प्रशिक्षण के तुरंत बाद युवाओं को रोजगार प्रदान करना है। ताकि उनकी आमदनी में वृद्धि हो सके। इस कार्यक्रम का विशेष जोर स्कूल छोड़ने वाले विद्यार्थियों, ग्रामीण युवाओं और समाज के कमजोर वर्गों को मुख्य धारा की अर्थव्यवस्था से जोड़ना है।

संक्षिप्त समाचार

चेन्नई में फंसी सरगुजा की तीन युवतियां, घर वापसी के लिए विधायक से लगाई मदद की गुहार

रायपुर। जिले के सीतापुर क्षेत्र की तीन युवतियों के चेन्नई में फंसने का मामला सामने आया है। युवतियों ने सुरक्षित घर वापसी के लिए सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो से मदद की गुहार लगाई है। मामले की जानकारी मिलने के बाद विधायक ने पुलिस प्रशासन को तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम भरतपुर, बेलजोरा और बिनई की रहने वाली तीन युवतियों को करीब तीन महीने तक जशपुर में सिलाई का प्रशिक्षण दिया गया था। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद उन्हें बेहतर रोजगार और प्लेसमेंट का भरोसा देकर कांचीपुरम ले जाया गया। युवतियों का आरोप है कि प्लेसमेंट के नाम पर उन्हें चेन्नई पहुंचाने वाले दो युवतियों और एक युवक ने अब घर लौटने के लिए उनसे 10-10 हजार रुपये की मांग की है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए इतनी बड़ी राशि जुटाना मुश्किल हो रहा है, जिसके कारण युवतियां वहां फंसी हुई हैं। मामले की सूचना मिलने पर विधायक रामकुमार टोप्पो ने प्रशासन और पुलिस अधिकारियों से चर्चा कर युवतियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, सीतापुर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि युवतियों को किस संस्था, एजेंसी या व्यक्ति के माध्यम से चेन्नई भेजा गया था।

दंतेवाड़ा पहुंचा मानसून, मौसम विभाग ने की पुष्टि

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बहुप्रतीक्षित मानसून का प्रवेश हो गया है। इस तरह से करीब 10 दिनों की देरी से प्रवेश हुआ है। मानसून इस समय सुकमा बीजापुर के बाद दंतेवाड़ा में भी सक्रिय हो गया है। संकेत है कि यह कल बस्तर जिले को छू सकता है। इधर रायपुर में बदलते मौसम को देखते हुए मौसम विज्ञानियों का कहना है कि आज और कल अच्छी बारिश होती है तो परसों घोषणा हो सकती है?। सोमवार दोपहर को मौसम बदला और तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के कई इलाकों में गरज-चमक, बिजली गिरने और हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है। इस दौरान कुछ स्थानों पर तेज हवाएं भी चल सकती हैं। मौसम विभाग ने बताया है कि कल यानी 23 जून के आसपास दक्षिण-पश्चिम मानसून के राज्य के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। वहीं मध्य छत्तीसगढ़ के जिलों में अगले दो दिनों तक अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस अधिक रह सकता है। इसके चलते कुछ इलाकों में हीट वेव जैसी स्थिति बनने की भी आशंका जताई गई है। प्रदेश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 41.8एष्ट बिलासपुर में दर्ज किया गया। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान 22.9एष्ट अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया।

मोतीबाग चौक में 1.5 किलो गांजा के साथ महिला गिरफ्तार, हिस्ट्रीशीट खोलने की तैयारी

रायपुर। पुलिस कमिश्नरेट रायपुर द्वारा नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना गोलबाजार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला को 1 किलो 500 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत करीब 75 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 22 जून की शाम थाना गोलबाजार की टीम क्षेत्र में पेट्रोलिंग और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान मोतीबाग चौक स्थित यूनियन क्लब के सामने एक महिला की गतिविधियां संदिग्ध नजर आने पर उसे रोककर पूछताछ की गई। तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद सफेद रंग के थैले से 1 किलो 500 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में महिला की पहचान अफ्साना बी उर्फ गुड़िया (38 वर्ष) निवासी मोतीबाग चौक, रायपुर के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ख) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी महिला पहले भी आबकारी अधिनियम और एनडीपीएस एक्ट से जुड़े मामलों में आरोपी रह चुकी है। उसकी आपराधिक गतिविधियों और बार-बार अपराध में संलिप्तता को देखते हुए पुलिस उसकी हिस्ट्रीशीट खोलने की प्रक्रिया शुरू कर रही है।

छत्तीसगढ़ में पांच दिन तक गरज-चमक और बारिश के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अगले पांच दिनों तक गरज-चमक और बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने मानसून की दस्तक के संकेत दिए हैं, जिससे प्रदेशभर में मौसम का मिजाज बदल सकता है। भीषण गर्मी के बीच रविवार को प्रदेश के कई जिलों में बारिश ने राहत दी है। हालांकि राजधानी, बिलासपुर और दुर्ग में भीषण गर्मी रही। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश का दौर शुरू हो गया है और अगले पांच दिनों तक गरज-चमक के साथ बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। साथ ही 23 जून के आसपास दक्षिण-पश्चिम मानसून के प्रदेश के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बन रही हैं। रविवार को प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान मध्य और उत्तरी छत्तीसगढ़ के कुछ क्षेत्रों में बारिश और गरज-चमक दर्ज किया गया। अनुमान है कि 23 जून के आसपास मानसून छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में प्रवेश कर सकता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

2036 पौधों के रोपण से ओलंपिक मेजबानी के संकल्प को दी नई ऊर्जा

- अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने किया रुद्राक्ष का पौधारोपण
- छत्तीसगढ़ में खेलों के लिए बेहतर वातावरण और आधुनिक अधोसंरचना का हो रहा विकास - मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर नवा रायपुर के ग्राम पलोद में छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ द्वारा आयोजित वृक्षारोपण एवं खिलाड़ी सम्मान समारोह में शामिल होकर रुद्राक्ष का पौधा रोपित किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल प्रेमियों को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए खेल और पर्यावरण संरक्षण को राष्ट्र निर्माण के दो महत्वपूर्ण आधार बताया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारत ने वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी का दावा प्रस्तुत किया है। इसी राष्ट्रीय संकल्प और आकांक्षा को प्रतीकात्मक रूप से अभिव्यक्त करने के लिए कार्यक्रम में 2036 पौधों का रोपण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह केवल वृक्षारोपण अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ, हरित और सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। राज्य में खेलों के लिए बेहतर वातावरण और आधुनिक अधोसंरचना विकसित की जा रही है ताकि युवा अपनी प्रतिभा का पूरा प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स की सफल मेजबानी का गौरव प्राप्त हुआ है। वहीं बस्तर ओलंपिक जैसे अभिनव आयोजन ने दूरस्थ अंचलों की खेल प्रतिभाओं को नई पहचान दी है। इस वर्ष बस्तर ओलंपिक में लाखों युवाओं ने भाग लेकर

अपनी क्षमता का परिचय दिया है, जो प्रदेश में खेलों के प्रति बढ़ते उत्साह का प्रमाण है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए खेल क्षेत्र में विशेष बजट प्रावधान कर रही है। साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानजनक प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की व्यवस्था की गई है, ताकि वे अधिक आत्मविश्वास और ऊर्जा के साथ देश एवं प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न खेल विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों तथा वन विभाग के खिलाड़ियों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए नई पहल कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में खेलो इंडिया जैसी योजनाओं ने देश में खेल संस्कृति को नई पहचान दी है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रदेश के युवाओं में अपार प्रतिभा है और सरकार उन्हें आगे बढ़ाने के लिए हर संभव अवसर उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलंपिक की सफलता के बाद अब सरगुजा ओलंपिक का आयोजन भी युवाओं को नई दिशा प्रदान कर रहा है। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान का उल्लेख करते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कौशल विकास मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब, छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के महासचिव डॉ. विक्रम सिंह सिसोदिया, प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री अरुण कुमार पाण्डेय, बीएसएफ के आईजी श्री संजय पंत सहित अनेक जनप्रतिनिधि, खिलाड़ी, प्रशिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

नकली शराब गिरोह के फरार आरोपी पर 10 हजार रूपए का इनाम घोषित

रायपुर। संवाददाता

पुलिस ने नकली शराब के संगठित नेटवर्क से जुड़े फरार आरोपी विनय सिंह ठाकुर की गिरफ्तारी के लिए 10 हजार रुपये के नगद पुरस्कार की घोषणा की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने कहा है कि आरोपी की गिरफ्तारी में सहयोग करने वाले या उसकी सटीक सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। पुलिस के अनुसार, थाना कोतरारोड़ में दर्ज नकली शराब प्रकरण में आरोपी विनय सिंह ठाकुर घटना के बाद से लगातार फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा लगातार दबिश, तकनीकी निगरानी और मुखबिर तंत्र के माध्यम से तलाश की जा रही है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और आबकारी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज है।गौरतलब है कि 8 जून 2026 को रायगढ़ पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम धनागर में संचालित नकली शराब के बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया था। कार्रवाई के दौरान लगभग 240 लीटर नकली शराब, स्प्रिट से भरे ड्रम, फर्जी लेबल, नकली होलोग्राम, ढक्कन और शराब निर्माण में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्री जब्त की गई थी।मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी दुष्यंत उर्फ पप्पू पटेल ने पूछताछ में खुलासा किया था कि वह अपने भाई सुभाष पटेल और विनय सिंह ठाकुर के साथ मिलकर लंबे समय से यह अवैध कारोबार चला रहा था।जांच के दौरान पुलिस ने सुभाष पटेल को भी गिरफ्तार किया था। पूछताछ में सामने आया कि गिरोह फार्म हाउस में बड़ी मात्रा में शराब का भंडारण करता था और उसमें स्प्रिट मिलाकर उसकी मात्रा बढ़ाई जाती थी। शराब का रंग फीका पड़ने पर उसमें चायपत्ती का रंग मिलाकर उसे असली शराब जैसा स्वरूप दिया जाता था। इसके बाद फर्जी होलोग्राम और नकली लेबल लगाकर विभिन्न क्षेत्रों में बिक्री कराई जाती थी। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर गैस सिलेंडर, गैस चूल्हा, एल्यूमिनियम डेगची और बड़ी संख्या में खाली बोतलें भी बरामद की थीं। पुलिस टीम 17 जून को आरोपी विनय सिंह ठाकुर के विकास नगर स्थित निवास पर पहुंची थी, लेकिन मकान बंद मिला।

होटल दक्षिण सूत्र पर कचरा फैलाने के आरोप में 2500 का ई-चालान

रायपुर। स्वच्छता संबंधी जनशिकायत को गंभीरता से लेते हुए रायपुर नगर निगम के जोन-3 स्वास्थ्य विभाग ने होटल दक्षिण सूत्र के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करते हुए 2,500 रुपये का ई-जुर्माना लगाया है। नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार, जोन-3 क्षेत्र में स्थित होटल दक्षिण सूत्र द्वारा सार्वजनिक स्थान पर कचरा फेंके जाने की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत पर तत्काल संज्ञान लेते हुए नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर जोन-3 की जोन कमिश्नर प्रीति सिंह के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने होटल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शिकायत सही पाई गई। होटल परिसर के बाहर कचरा डाले जाने की पुष्टि होने पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी पूरन कुमार ताण्डी ने संबंधित संचालक के खिलाफ तत्काल 2,500 रुपये का ई-चालान जारी किया।

राहुल गांधी का छत्तीसगढ़ दौरा केवल राजनीतिक नौटंकी

मैगी राजनीति' से नहीं छिपेगी कांग्रेस की गुटबाजी - केदार

- प्रशिक्षण शिविर के नाम पर कांग्रेस का पाखंड उजागर, जनता के मुद्दों से दूर रहा पूरा कार्यक्रम

रायपुर। संवाददाता

मंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के छत्तीसगढ़ दौरे पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि यह यात्रा राजनीतिक नौटंकी, दिखावे और कांग्रेस की आंतरिक गुटबाजी पर पर्दा डालने का एक असफल प्रयास मात्र थी। प्रशिक्षण शिविर के नाम पर आयोजित कार्यक्रम में न तो प्रदेश की जनता की समस्याओं पर कोई गंभीर चर्चा हुई और न ही कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के विकास को लेकर कोई ठोस दृष्टि प्रस्तुत की। केदार कश्यप ने कहा कि राहुल गांधी कुछ घंटों के लिए छत्तीसगढ़ आए, कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देने का दावा किया और फिर कैमरों के सामने आयोजित प्रतीकात्मक गतिविधियों में व्यस्त रहे। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस के पास न कोई नीति बची है और न ही जनता के बीच जाने का कोई वास्तविक एजेंडा। पार्टी आज केवल आयोजन और प्रचार तक सीमित होकर रह गई है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी द्वारा कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने तथा मिलकर काम करने की नसीहत देना इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस के भीतर गुटबाजी और नेतृत्व संकट चरम पर पहुंच चुका है। यदि किसी दल को अपने ही कार्यकर्ताओं को एकता का पाठ पढ़ाना पड़े, तो यह उसकी संगठनात्मक कमजोरी का सबसे बड़ा प्रमाण है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि खेती किसानी के लिए महत्वपूर्ण सहारा.....

- कैलाश को खाद, उर्वरक आदि कृषि कार्यों में मिल रही मदद

रायपुर/ संवाददाता

किसानों की आर्थिक मजबूती और कृषि लागत में सहयोग के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना ग्रामीण क्षेत्रों में खेती-किसानी के लिए महत्वपूर्ण सहारा बन रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 20 जून को पीएम किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 23वीं किस्त जारी किया गया, इससे जिले के 85 हजार 324 किसानों के बैंक खातों में सीधे 17 करोड़ 06 लाख रुपये हस्तांतरित किए गए। मुंगेली विकासखंड के ग्राम हथनीकला निवासी कैलाश सिंह ठाकुर भी इस योजना से लाभान्वित होकर अपनी खेती को और अधिक सुदृढ़ बना रहे हैं। कैलाश सिंह ठाकुर ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत प्राप्त होने वाली राशि का उपयोग वे खेती-किसानी के विभिन्न कार्यों में करते हैं। विशेष रूप से खाद, उर्वरक एवं अन्य कृषि आदानों की व्यवस्था करने में यह राशि उनके लिए काफी उपयोगी साबित हो रही है। इससे खेती की लागत का कुछ हिस्सा आसानी से पूरा हो जाता है और समय पर कृषि कार्य संपादित करने में मदद मिलती है। कैलाश सिंह ठाकुर ने कहा कि पहले खेती के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करने में कई बार आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से मिलने वाली सहायता राशि कृषि कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने में सहयोग कर रही है। इससे खेती के प्रति उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि यह योजना किसानों को सीधे आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। समय पर मिलने वाली राशि से किसान अपनी कृषि आवश्यकताओं की पूर्ति कर बेहतर उत्पादन की ओर अग्रसर हो रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रही है। यह योजना खेती को मजबूत बनाने के साथ-साथ किसानों के जीवन में आर्थिक स्थिरता और भरोसा भी प्रदान कर रही है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर अवैध रेत खनन और भंडारण के विरुद्ध लगातार हो रही सख्त कार्रवाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर अवैध रेत खनन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रदेश भर में लगातार अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की जा रही है। जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ खनिज विभाग का मैदानी अमला अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए कड़ी निगरानी कर रहा है। इसी क्रम में केंद्रीय खनि उड़नदस्ता की संयुक्त टीम द्वारा प्राप्त शिकायतों के आधार पर 21 जून 2026 को रात्रिकालीन खनन क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिला एम.सी.बी. की तहसील केल्हारी अंतर्गत दंडाहस्वाही स्थित केवाई नदी, पसौरी, कुटरा तथा हसदेव नदी क्षेत्रों के सघन निरीक्षण में स्वीकृत दो अस्थायी रेत भंडारण अनुज्ञप्ति स्थलों का विस्तृत परीक्षण किया गया। मौके पर उपलब्ध रेत की मात्रा का आकलन हाईटेक ड्रोन सर्वेक्षण के माध्यम से किया गया। निरीक्षण में भंडारण अनुज्ञा की शर्तों के उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित रेत भंडारणकर्ताओं को कारण बताओ सूचना जारी कर तीन दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में अवैध खनन गतिविधियों के लिए कोई स्थान नहीं है और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ-साथ खनिज संपदा का नियमानुसार दोहन सुनिश्चित किया जाए।

बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा के लिए गांव-गांव पहुंच रही बाल चौपाल

- सपेरा बस्ती में आयोग अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने बच्चों को किया जागरूक, गुड टच-बैड टच की दी जानकारी

रायपुर/ संवाददाता

बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा, उनके समग्र विकास और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के ग्राम भीखमपुरा स्थित सपेरा बस्ती में बाल चौपाल का आयोजन कर बच्चों और अभिभावकों से सीधा संवाद किया। इस पहल के माध्यम से ग्रामीण एवं वंचित समुदायों तक बाल संरक्षण और जागरूकता का संदेश पहुंचाया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिले के प्रवास के दौरान आयोजित इस बाल चौपाल में डॉ. शर्मा ने बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, मानसिक एवं सामाजिक विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित बचपन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सम्मानजनक वातावरण प्राप्त होना उसका मौलिक अधिकार है तथा समाज के सभी वर्गों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों के हितों की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के दौरान डॉ. शर्मा ने विशेष रूप से बालिकाओं और बच्चों को गुड टच एवं बैड टच के बारे में सरल और प्रभावी तरीके से जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहने, किसी भी अनुचित व्यवहार या गतिविधि की जानकारी तत्काल अभिभावकों, शिक्षकों अथवा संबंधित अधिकारियों को देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही बच्चों को शोषण और उत्पीड़न से सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। बाल चौपाल में बच्चों की प्रतिभाओं को भी प्रोत्साहित किया गया। संस्कृति, लोककला और पारंपरिक कलाओं में रुचि रखने वाले बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। आयोग अध्यक्ष ने बच्चों और उनके अभिभावकों से चर्चा कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं और अपेक्षाओं की जानकारी ली तथा उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डॉ. शर्मा ने बाल विवाह, बाल श्रम और नशीले पदार्थों की बढ़ती प्रवृत्ति को बच्चों के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बताते हुए इन सामाजिक बुराइयों से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उनके सुरक्षित भविष्य के लिए शासन, प्रशासन, समाज और परिवारों को मिलकर कार्य करना होगा।

प्रदेश में हीरा उद्योग, निवेश और रोजगार की संभावनाएं हुई मजबूत

महासमुंद के बलौदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में हीरों की प्राप्ति से छत्तीसगढ़ के विकास को मिलेगा नया आयाम...

- वैज्ञानिक अन्वेषण की सफलता से खनिज क्षेत्र में खुलेंगे नए अवसर, राज्य को मिलेगा राजस्व एवं आर्थिक विकास का नया स्रोत
- खनिज संपदा की नई उपलब्धि से छत्तीसगढ़ के विकास को मिलेगा नया आयाम : मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है। महासमुंद जिले के सरायपाली क्षेत्र स्थित बलौदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में वैज्ञानिक अन्वेषण के दौरान हीरों की प्राप्ति ने प्रदेश को खनिज संपदा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड द्वारा 200 टन बल्क सैंपल के परीक्षण एवं प्रसंस्करण के बाद कुल 5 हीरे प्राप्त हुए हैं, जिनका कुल वजन 1.22 कैरेट है। यह उपलब्धि क्षेत्र में हीरा खनिजीकरण की संभावनाओं की पुष्टि करती है तथा भविष्य में बड़े पैमाने पर निवेश, राजस्व सृजन और रोजगार के नए अवसरों का आधार बन सकती है। एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड द्वारा राज्य शासन को उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, बलौदा-बेलमुंडी क्षेत्र में किए गए वैज्ञानिक सर्वेक्षण, स्ट्रीम सेडिमेंट सैंपलिंग, भू-भौतिकीय अध्ययन तथा अन्वेषण ड्रिलिंग के आधार पर चिन्हित क्षेत्र से लगभग 200 टन खनिज सामग्री का बल्क सैंपल एकत्रित कर परीक्षण किया गया। प्रसंस्करण के पश्चात प्राप्त पांच हीरों में दो जेम क्वालिटी तथा तीन अन्य श्रेणी के हीरे शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि को छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत उत्साहजनक बताते हुए कहा कि प्रदेश की आर्थिक क्षमता और प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक दोहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खनिज संसाधनों के वैज्ञानिक अन्वेषण, पारदर्शी प्रबंधन और मूल्य संवर्धन आधारित औद्योगिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पहले से ही देश के प्रमुख खनिज उत्पादक राज्यों में शामिल है और लौह अयस्क, कोयला, बॉक्साइट तथा चूना पत्थर के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

दूध नदी की रक्षा हेतु जन सहयोग तथा गायत्री परिवार का प्रशंसनीय सहयोग

कांकेर। काँकेर जिले की जीवन दाहिनी दूर नदी की रक्षा हेतु अब गायत्री परिवार भी सक्रिय हुआ है और जन सहयोग तथा गायत्री परिवार में हवन पूजन द्वारा मातृ-स्वरूपा दूध नदी की रक्षा हेतु सहयोग आज शहर में चर्चा का विषय हो रहा है। जीवन दाहिनी माता की गोद में बैठकर आज गायत्री परिवार तथा जन सहयोग के सदस्यों ने प्रातः काल से ही हवन शुरू कर दिया विधि विधान सहित पूजा अर्चना चलने लगी और वातावरण पवित्र हो गया, गायत्री परिवार प्रमुख द्वारा नदियों की महिमा का उल्लेख किया गया तथा हर प्रकार के जल स्रोतों की रक्षा हेतु आव्हान किया गया। उन्होंने कहा कि आज गंगा दशहरा पर्व मनाया जा रहा है। आज के दिन जो संकल्प लिए जाएंगे निश्चित रूप से पूर्ण होंगे। जन सहयोग के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी ने एक बार फिर आसपास के रहवासियों से कचरा नहीं डालने की अपील की और दुख जताया कि हम लोगों के सारे प्रयास उस समय असफल हो जाते हैं, जब आप लोग दुकान तथा घर का कचरा नगर पालिका की गाड़ी में नहीं डालकर सीधे दूध नदी में फेंक देते हैं। कृपया दूध नदी की सफ़ाई का पुण्य लाभ उठाने हेतु कुछ नहीं तो इतना ही कीजिए कि कचरा मत डालिए। नदी की सफाई से सर्वाधिक लाभ तो आप लोगों को ही होगा क्योंकि आप लोग इसके किनारे ही रहते हैं या दुकान चलाते हैं। पप्पू मोटवानी ने गायत्री परिवार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और कहा कि अन्य धार्मिक संस्थाएं भी जीवन रेखा दूध नदी की रक्षा हेतु आध्यात्मिक गतिविधियां प्रदर्शित करने आने वाले दिनों में आती रहेंगी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय ने भी यहां आकर पूजा आराधना करने की इच्छा प्रकट की है तथा जिले की जीवन रेखा की रक्षा का संकल्प लिया है। आज के कार्यक्रम में गायत्री परिवार की ओर से मुख्य प्रबंधक ट्रस्टी बिस लाल कोड़ोपी, सहायक प्रबंध ट्रस्टी जगदीश साहू, अवध साहू, रामनारायण सिंह ठाकुर, युवा प्रकोष्ठ से अशोक कुमार नाग, महेंद्र नेताम, अर्चना साहू, देवकरण जैन आदि ने सक्रिय भाग लिया जन सहयोग संस्था की ओर से अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी के अलावा, भूतपूर्व सैनिक टी के जैन, धर्मेंद्र देव, वरिष्ठतम पत्रकार सीतारामजी शर्मा, पर्यावरण प्रबोध मंच के अध्यक्ष मोहन सेनापति, प्रवीण गुप्ता, शैलेंद्र देहारी, अजय पांडे, पप्पू साहू, प्रभु साहू, संजय मोटवानी, मनोज दुबे, अमृत जवरानी, आशुतोष देव आदि नौजवानों ने कई घंटे पसीना बहा कर दूध नदी संबंधित कार्यों में उल्लेखनीय सहयोग दिया। जीवन रेखा दूध नदी के सम्मान तथा स्वच्छता अभियान हेतु आध्यात्मिक संस्थाओं का सहयोग अब जन- सहयोग को मिल रहा है इस बात से श्रद्धालु जनता में हर्ष है।

नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

कांकेर। कांकेर नगर पालिका परिषद कांकेर में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों में से सफाई कर्मचारियों ने आज जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा है। उक्त आशय की जानकारी छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय कर्मचारी यूनियन के कोषाध्यक्ष अरुण वाल्मीक ने आज एक प्रेस बयान जारी कर दिया। वाल्मीक ने बताया कि कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में मुख्य रूप से कर्मचारियों के ई एसआई (कर्मचारी राज्य बीमा) के परिचयपत्रों में त्रुटि सुधारने और कर्मचारियों के आश्रितों का नाम को जोड़े जाने की मांग प्रमुख है। यूनियन नेता ने ठेकेदार पर आरोप लगाया कि विगत 6 माह से ठेकेदार और मुख्य नगर पालिका अधिकारी को कर्मचारियों के ई एसआई कार्ड में सुधार कर आश्रितों के नाम जोड़े जाने के लिए निवेदन करते रहे लेकिन अधिकारी एवं ठेकेदार कर्मचारियों की बात को अनदेखी करते रहे। जिसके कारण आज जिलाधीश को ज्ञापन के माध्यम से कर्मचारियों की समस्याओं से उन्हें अवगत कराया गया है। वाल्मीक का कहना है कि ई एसआई कार्ड में त्रुटियां और आश्रितों का नाम नहीं होने के कारण इसके तहत मिलने वाले लाभ से कर्मचारी वंचित हो रहे है। मुफ्त में कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों का चिकित्सा, दवाई ई एसआई से मिलना है। लेकिन ठेकेदार और सीएमओ की उदासीन रुख के कारण कर्मचारियों को अब तक यह सुविधा हासिल नहीं था। यूनियन के माध्यम से यह मांग किए जाने के बाद ठेकेदार कर्मचारियों को ई एसआई कार्ड वितरित किया है। सभी ई एसआई कार्ड में त्रुटियां और असंपूर्ण है।

बाड़ी में गांजे की खेती करने वाला आरोपी गिरफ्तार, कुल 2.771 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त

कांकेर। उत्तर बस्तर कांकेर के अंतर्गत अवैध नशे के खिलाफ चलाए जा रहे 'उजियरा अभियान' के तहत आमाबेड़ा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी और अवैध खेती के मामले में एक आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी अपने घर के पीछे बाड़ी में अवैध रूप से गांजे का पौधा लगाकर उसकी परवरिश कर रहा था और साथ ही घर के भीतर से गांजे की अवैध बिक्री का कारोबार भी संचालित कर रहा था। पुलिस ने मौके से जीवित गांजे के पौधे सहित भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया है, जिसकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 42,600 रुपये आंकी गई है। यह पूरी कार्रवाई कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेचा (भा.पु.से.) के सख्त निर्देश पर अमल में लाई गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतगढ़ आशीष बंछोर के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अंतगढ़ शुभम तिवारी के कुशल पर्यवेक्षण में आमाबेड़ा पुलिस की एक विशेष टीम गठित कर रेड कार्रवाई के लिए रवाना की गई थी। पुलिस टीम ने मुखबिर के बताए स्थान ग्राम सोड़े के मंडलीपारा में दबिश दी। वहाँ घेराबंदी कर संदेही व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसने अपना नाम टिबलूराम पटेल पिता अंतराम पटेल (उम्र 42 वर्ष, जाति मरार) निवासी सोड़े मंडलीपारा, थाना आमाबेड़ा बताया। जब पुलिस टीम द्वारा उसके घर और बाड़ी की सघन तलाशी ली गई, तो बाड़ी में लगा हुआ 01 नग जीवित गांजे का पौधा बरामद हुआ, जिसका कुल वजन 1.090 किलोग्राम पाया गया। इसके साथ ही घर के कमरे की तलाशी लेने पर दो पारदर्शी पॉलीथिन में भरकर रखी गई वनस्पतिक मादक पदार्थ सहित कुल 1.681 किलोग्राम अवैध सूखा गांजा भी बरामद किया गया। इस प्रकार आरोपी के कब्जे से कुल 2.771 किलोग्राम गांजा और गांजा बिक्री की रकम 600 रुपये जब्त की गई। कड़ाई से की गई पूछताछ में आरोपी टिबलूराम पटेल ने स्वीकार किया कि वह घर की बाड़ी में गांजे का पौधा उगाकर अवैध रूप से इसकी बिक्री का कारोबार लंबे समय से कर रहा था। आमाबेड़ा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 (क) (ढ्ढ) और 20 (ख) (ढ्ढढ्ढ) (ख) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया है, जिसके बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। इस सराहनीय और पूरी कार्रवाई में आमाबेड़ा थाना प्रभारी व निरीक्षक विनोद कुमार साहू, उप निरीक्षक भुनेश्वर चंद्रवंशी, सउनि गिरीशचन्द्र कुर्रे, प्रधान आरक्षक 427 महेश नेताम, आरक्षक विकास कुमार, आरक्षक मनिहार भुरकुरिया, आरक्षक अमरसिंह नेताम, महिला आरक्षक प्रतिभा यादव सहित क्राइम टीम से सउनि भाकेश पटेल एवं आरक्षक रामरतन निषाद, जितेन्द्र नाग, भूपेश नेताम, कृष्णा केसरी और छेदन सोनकर की अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

नगर पालिका के सफाई कर्मियों ने एक जुलाई से काम बंद करने की दी चेतावनी

कांकेर। कांकेर नगर पालिका में कार्यरत प्लेसमेंट सफाई कर्मचारियों ने कल सीएमओ को ज्ञापन सौंपकर एक जुलाई से सफाई काम बंद करने की चेतावनी दी है।आज जारी एक प्रेस बयान में छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय कर्मचारी यूनियन के कोषाध्यक्ष अरुण वाल्मीक ने कहा कि विगत 6 माह से यूनियन ने सीएमओ से मांग करते आ रहे है कि सफाई कर्मियों को सुरक्षा उपकरण वितरित किया जाए लेकिन निकाय के प्रबंधन की उदासीनता के कारण आज तक सफाई कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण वितरित नहीं किया गया है।बबाल्मीक ने कहा सफाई कर्मचारियों को हाथ का दस्ताना, मास्क, बरसाती जूते, साबुन, गुड, बरसाती, ड्रेस जैसे सुरक्षा उपकरण * वितरित करना चाहिए जो कभी भी पालिका ने नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि आज यूनियन के ओर से सीएमओ को ज्ञापन सौंपकर यह सभी उपकरण 30 जून तक वितरित करने की मांग किया गया है अन्यथा एक जुलाई से शहर के सफाई काम को बंद किया जाएगा

चाकू दिखा कर गुंडा गर्दी करने वाले आरोपी को बस्तर पुलिस ने किया गिरफ्तार

जगदलपुर। जिला बस्तर जगदलपुर एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायलय में किया गया पेश आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू को किया गया जप्त नाम आरोपी :- पोलूस नाथ पिता समुएल नाथ उम्र 25 वर्ष निवासी आकाश नगर राजीव गाँधी वार्ड जगदलपुर पुलिस अधीक्षक, शलभ कुमार सिन्हा के नेतृत्व में बस्तर पुलिस के द्वारा अपराधिक तत्वों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। इसी तारतम्य में गुंडा गर्दी करने वाले एक युवक को गिरफ्तार करने में बस्तर पुलिस को सफ्लता मिली है। ज्ञात हो कि थाना बोधघाट में दिनांक 23.06.2026 को प्रार्थीया सत्यनाथ पति समुएल नाथ निवासी आकाश नगर जगदलपुर थाना बोधघाट में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका बेटा पोलूस नाथ शराब के नशे में घर बाहर आकर तलवार लहराकर गाली गुप्तार कर जान से मारने की धमकी देकर मारपीट किया है,रिपोर्ट पर तत्काल धारा 296,115(2),351(2) ब्नहस, 25(1-ख़), 27(1) आर्म्स एक्ट अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध करते हुए पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में अति. पुलिस अधीक्षक श्री माहेश्वर नाग के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक डी धोत्रे सुमित कुमार दत्ता हरिराव के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बोधघाट टामेश्वर चौहान के नेतृत्व में तत्काल कार्यवाही हेतु टीम तैयार किया गया, उक्त टीम के द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए उक्त आरोपी की पता साजी कर उक्त आरोपी पोलूस नाथ पिता समुएल नाथ को पकड़कर पूछताछ करने अपराध घटित करना कबूल करते हुए घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू को पेश करने उक्त चाकू को जप्त करते हुए उक्त आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय पेश किया गया है।

महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाले अधिकारी-

सहकारी सप्ताह बनेगा जनभागीदारी का अभियान, मंत्री केदार कश्यप ने बनाई व्यापक रणनीति

जगदलपुर। जगदलपुर सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार की स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 29 जून से 06 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाले ÷सहकारी सप्ताह÷ के सफ्ल आयोजन और व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने संभाग स्तरीय वर्चुअल बैठक ली। बैठक में सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने और ग्रामीण क्षेत्रों तक इसकी पहुंच बढ़ाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित जगदलपुर की ओर से बैंक अध्यक्ष दिनेश कश्यप बैंक मुख्यालय से एवं उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा सुकमा नोडल कार्यालय से वर्चुअल माध्यम से जुड़े। इसके साथ सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं विभिन्न सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी वर्चुअल बैठक में सम्मिलित हुए। बैठक में मंत्री केदार कश्यप ने निर्देश दिए कि सहकारी सप्ताह के दौरान प्राथमिक कृषि साख समितियां (पैक्स/लैम्प्स), वनोपज, दुग्ध, मत्स्य एवं बहुउद्देशीय सहकारी समितियां अपने-अपने क्षेत्रों में विविध गतिविधियां और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें, ताकि सहकारिता आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक समावेशन, ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव है। मंत्री ने सभी संस्थाओं से अधिक से अधिक लोगों को सहकारिता से जोड़ने और किसानों, ग्रामीणों व आमजन के हित में संचालित योजनाओं की जानकारी घर-घर पहुंचाने का आह्वान किया। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, जगदलपुर द्वारा भी सहकारी सप्ताह के दौरान विभिन्न समितियों के माध्यम से जनजागरूकता कार्यक्रम, सहकारी गतिविधियां और योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर सहकारिता की उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने की व्यापक तैयारी की जा रही है।

चोरी के वारदात का खुलासा बस्तर पुलिस को मीली बड़ी सफलता लाखों के जेवरात व नकदी बरामद

बस्तर। बस्तर से मामला थाना लोहण्डीगुड़ा के तारागांव तथा थाना परपा ग्राम धर्माउर का है चोरी के घटना को अंजमा देने वाले आरोपी लोहण्डीगुड़ा थाना के गिरफ्त में जप्त संपत्ति- सोने-चांदी के आभूषण व सोने-चांदी के गलाये डले कुल कीमती 11,19000- रूपये ,नगदी रकम 5000- रु एक बिना नंबर का पल्सर मोटर सायकल काले रंग का नाम आरोपी - कृष्णा सेट्ठी पिता कोलंची सेट्ठी उम्र 29 वर्ष जाति स्वीपार निवासी वार्ड क्रमांक 12 शिव मंदिर के पास गीदम जिला दन्तेवाड़ा अविनाश स्वामी पिता ऐ कुमार उम्र 26 वर्ष जाति स्वीपर निवासी बस स्टेण्ड वार्ड नंबर 05 भट्ठी पारा दन्तेवाड़ा जिला दन्तेवाड़ा (3) रूद्रांचल ठाकुर पिता स्व. विजेन्द्र ठाकुर उम्र 29 वर्ष जाति धाकड़ निवासी तारागांव खास पारा थाना लोहण्डीगुड़ा जिला बस्तर,(4) अजय व्यापारी पिता स्व.राम कृष्णा व्यापारी निवासी हाउरनार हाई स्कूल मैदान के पास गीदम जिला दन्तेवाड़ा5 संतोष सोनी पिता स्व. भास्कर सोनी उम्र 43 वर्ष जाति सोनार निवासी मिनी माता वार्ड 06 गीदम पीडब्ल्यू पारा जिला दन्तेवाड़ा पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के नेतृत्व में बस्तर पुलिस द्वारा आपराधिक तत्वों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही कि जा रहा है। इसी दरम्यान में थाना लोहण्डीगुड़ा के ग्राम तारागांव तथा थाना परपा ग्राम धर्माउर के सुने मकान के अंदर में घुसकर चोरी करने वाले आरोपी को पकडने में बस्तर पुलिस को सफ्लता मिली है। ज्ञात हो कि प्रार्थीया भगवती सरकार एवं उसके पति सदानंद सरकार उम्र 32 वर्ष निवासी तारागांव जिला बस्तर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया गया था दिनांक 15.06.2026 के दरम्यान - रात्रि में सुने मकान में ताला तोड़कर कोई अज्ञात चोर घर मे रखे सोने एवं चांदी के जेवर और नगदी रकम चोरी कर ले गया है कि रिपोर्ट पर अज्ञात चोर के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। जिस पर पुलिस अधीक्षक श्री शलभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन एवं अति0 पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी लोहण्डीगुड़ा/ केशलूर लक्ष्मण पोटाई के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी लोहण्डीगुड़ा निरीक्षक रवि बेगा एवं थाना प्रभारी परपा मो तारिक़ के नेतृत्व में कार्यवाही हेतु टीम गठित किया गया।

विधायक लता उसेंडी ने विभिन गांवों में 19 निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

01 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों की दी सौगात,

कोंडागांव। कोंडागांव विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी के मुख्य आतिथ्य में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रमों के दौरान जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं ग्रामीण विकास को गति देने के उद्देश्य से करोड़ों रुपये की लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक सुश्री लता उसेंडी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा, सामुदायिक भवन तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इन विकास कार्यों के पूर्ण होने से ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति मिलेगी। विधायक सुश्री लता उसेंडी ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने नेतृत्व के 12 वर्ष सफ्लतापूर्वक पूर्ण कर लिए हैं। उन्होंने कहा कि लगातार तीन कार्यकाल तक देश का नेतृत्व करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विकास और सुशासन के नए आयाम स्थापित किए हैं। उनके नेतृत्व में हमारा देश में आधारभूत संरचना, डिजिटल क्रांति, महिला सशक्तिकरण, कृषि, स्वास्थ्य तथा शिक्षा के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक और जनहितकारी कार्य हुए हैं। विधायक सुश्री उसेण्डी ने ग्राम चिखलपुटी, ग्राम कुकाड़गारपाल, ग्राम बड़ेकनेरा, ग्राम बड़ेबेन्दरी और ग्राम छोटे भिरावण्ड के ग्रामवासियों को कुल लागत राशि 166.72 लाख रूपए के 19 विकास कार्यों की सौगात की। ग्राम पंचायत चिखलपुटी में कुल 40.73 लाख रुपये की लागत से चार विकास कार्यों का भूमिपूजन किया, जिसमें पुलिस लाइन के पास 10 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण, उत्तम जैन के घर से गायत्री परिवार मंदिर तक 4 लाख रुपये की लागत से द्वितीय श्रेणी सड़क निर्माण, दंतेश्वरी अस्पताल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग से पवन तिवारी के घर तक 7.50 लाख रुपये की लागत से 250 मीटर सीसी सड़क निर्माण तथा प्राथमिक शाला चिखलपुटी में 19.23 लाख रुपये की लागत से भवन निर्माण कार्य शामिल हैं। उन्होंने ग्राम पंचायत कुकाड़गारपाल में 28.23 लाख रुपये की लागत के दो कार्यों का भूमिपूजन किया, इनमें मुख्य मार्ग से नयापारा मार्ग तक 9 लाख रुपये की लागत से 300 मीटर सीसी सड़क निर्माण तथा स्कूलपारा स्थित माध्यमिक शाला के नवीन भवन निर्माण हेतु 19.23 लाख रुपये स्वीकृत किए गए। ग्राम पंचायत बड़ेकनेरा में कुल 46.79 लाख रुपये की लागत से आठ विकास कार्यों का भूमिपूजन किया, जिसमें बाजार स्थल के पास 2.50 लाख रुपये से बाउंड्रीवाल निर्माण, बाजारपारा चौक गुड़ी के पास 5 लाख रुपये से सामुदायिक भवन निर्माण, प्लाटपारा में 1 लाख रुपये से शेड निर्माण, कदमपारा में रोहित भोयर के घर के पास 3 लाख रुपये से शेड निर्माण, डोंगरीगुड़ा प्राथमिक शाला के नवीन भवन हेतु 18.79 लाख रुपये, शिवनाभाटा डेम में 3 लाख रुपये से स्नानघाट निर्माण, गौशाला मार्ग में 8.50 लाख रुपये से सीसी सड़क निर्माण तथा राजापारा में सामुदायिक भवन के पास 5 लाख रुपये से रंगमंच निर्माण कार्य शामिल हैं। साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायत बड़ेबेंदरी में 21.14 लाख रुपये की लागत के दो कार्यों का भूमिपूजन किया, जिसमें 5 लाख रुपये की लागत से अटल डिजिटल सुविधा केंद्र तथा 16.14 लाख रुपये की लागत से प्राथमिक शाला काड़कीपारा में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य शामिल है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत छोटेभिरावंड में कुल 29.83 लाख रुपये की लागत से तीन विकास कार्यों का भूमिपूजन किया, जिसमें पंचायत भवन के सामने 5.81 लाख रुपये से शेड निर्माण, 19.23 लाख रुपये से नवीन उच्च प्राथमिक शाला भवन निर्माण तथा 4.79 लाख रुपये से मुक्तिधाम एवं प्रतीक्षालय शेड निर्माण कार्य शामिल हैं।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीता शोरी, जनपद अध्यक्ष श्रीमती अनिता कोर्राम, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रामदई नाग, जनपद उपाध्यक्ष टोमेन्द्र ठाकुर, जनपद सदस्य श्रीमती नीलाबती नाग, संतोष पात्र, जैनेन्द्र ठाकुर, हितेन्द्र झा, विक्रम सोरी, दयाशंकर दीवान, श्रीमती राजेश्वरी सोढ़ी, प्रकाश, चुरगिया,श्रीमती धनमती नेताम, श्रीमती प्रेमबती कोर्राम, सुरेराम मांझी, विजय सोढ़ी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

वार्ड 12 एवं 13 में सड़क सीमेंटीकरण और नाली निर्माण कार्यों से नागरिकों को मिलेगी बेहतर सुविधा

महापौर ने विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमिपूजन, शीघ्र निर्माण पूर्ण करने के दिए निर्देश

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज महापौर अलका बाघमार ने विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस दौरान लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, वार्ड पार्षद एवं नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, अजीत वैध,रंजीता पाटिल तथा बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। महापौर ने वार्ड क्रमांक 13 गजानन नगर में सड़क सीमेंटीकरण कार्य, मोहन नगर में नाली निर्माण कार्य तथा वार्ड क्रमांक 13 के अन्य क्षेत्रों में सड़क सीमेंटीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही वार्ड क्रमांक

12 में प्रस्तावित सड़क सीमेंटीकरण कार्य का भी विधिवत भूमिपूजन कर निर्माण एजेंसियों एवं संबंधित अधिकारियों को कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा विभिन्न वार्डों में लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं, ताकि नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि सड़क एवं नाली निर्माण कार्य पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा बरसात के दौरान जलभराव जैसी समस्याओं से राहत प्राप्त होगी। अच्छी सड़कें और सुव्यवस्थित जल निकासी व्यवस्था किसी भी क्षेत्र के समग्र विकास की आधारशिला होती हैं। महापौर ने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वर्षा ऋतु प्रारंभ हो चुकी है, इसलिए अधिक बारिश होने से पूर्व सभी निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए। उन्होंने गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं करने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। कायक्रम के दौरान वार्ड पार्षदों एवं स्थानीय नागरिकों ने क्षेत्र में विकास कार्यों की स्वीकृति एवं शीघ्र प्रारंभ किए जाने पर महापौर का आभार व्यक्त किया। नागरिकों ने कहा कि सड़क एवं नाली निर्माण से लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा तथा क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित होगा। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने विकास कार्यों के लिए नगर निगम प्रशासन के प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार जनहित के कार्य निरंतर किए जाने की अपेक्षा व्यक्त की।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भाजपा चरोदा मंडल ने किया योगाभ्यास, सैकड़ों कार्यकर्ता हुए शामिल

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के आह्वान एवं जिला नेतृत्व के मार्गदर्शन में भाजपा चरोदा मंडल द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जून को वार्ड क्रमांक-23 स्थित हाउसिंग बोर्ड त्रिदेव मंदिर परिसर के समीप सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष ए. गौरीशंकर ने किया। सुबह 6:30 बजे से 7:30 बजे तक आयोजित इस कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों, जन प्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर मंडल

अध्यक्ष ए. गौरीशंकर ने कहा कि योग भारत की प्राचीन और अमूल्य धरोहर है, जिसे आज पूरा विश्व अपना रहा है। नियमित योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है। हमें अपने दैनिक जीवन में योग को अपनाकर स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम में मंडल महामंत्री राजेश मौर्य, पूर्णिमा ठाकुर, आशा शर्मा, संयोजक मनोज ओझा, सहसंयोजक, उपनेता प्रतिपक्ष चंद्रप्रकाश पांडेय, राम रेड्डी, प्रमिला टांडी, टी. रमना, दिलीप साहू, तरुण परगनिया, वेद प्रकाश पांडेय, सुजाता डोंगरे, नारायण रेड्डी, रेखा साहू, कुसुम साहू, पूनम श्रीवास्तव, पांडेय, जी. गंजीर, रविंद्र बेहरा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने नियमित योग करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

भू-माफियाओं और अवैध कब्जाधारियों पर जिला प्रशासन की कड़ी नजर

धमधा तहसील में शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर सुरक्षित की गई सरकारी जमीन

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा अवैध कब्जाधारियों और भू-माफियाओं के खिलाफ निरंतर विधि सम्मत कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में प्रशासनिक मुस्तैदी का परिचय देते हुए धमधा तहसील के ग्राम बसनी में शासकीय भूमि को अवैध कब्जे से पूरी तरह मुक्त कराकर सुरक्षित कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि ग्राम बसनी में लंबे समय से कुछ रसूखदार ग्रामीणों द्वारा शासकीय जमीनों पर झटका तार लगाकर और अवैध रूप से धान की फसल (खरीफ व रबी) बोकर कब्जा किया गया था। इस गंभीर शिकायत पर त्वरित संज्ञान लेते हुए कलेक्टर सिंह के मार्गदर्शन में तहसीलदार धमधा द्वारा हल्का पटवारी से अतिक्रमण प्रतिवेदन मंगाया गया, जिसके बाद दर्ज अतिक्रमण प्रकरण में गहन जांच व सुनवाई करते हुए अनावेदकों के खिलाफ विधिवत बेदखली आदेश

पारित किया गया। इस आदेश के परिपालन में विगत 22 जून 2026 को राजस्व विभाग ने ग्राम पंचायत बसनी के सक्रिय सहयोग से संयुक्त कार्रवाई को अंजाम दिया। तहसीलदार मीना साहू ने बताया कि प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए अनावेदक सेवाराम लोधी द्वारा शासकीय खसरा नंबर 1077 में से 20 डिसमिल और खसरा नंबर 1188 में से 0.34 हेक्टेयर पर किए गए कब्जे को हटाया, साथ ही राजकुमार लोधी के कब्जे से खसरा नंबर 1077 की 7 डिसमिल तथा राजकपूर लोधी के कब्जे से इसी खसरा नंबर की 13 डिसमिल भूमि को मुक्त कराया। इसके अलावा, एक अन्य अनावेदक शिवकुमार मौर्य द्वारा शासकीय खसरा नंबर 1077 की 8 डिसमिल भूमि (जिस पर आम के पेड़ लगे थे) और खसरा नंबर 1076 के 0.19 हेक्टेयर रकबे पर किए गए अवैध कब्जे व झटका तार को पूरी तरह साफ कर जमीन को शासन के पक्ष में सुरक्षित किया गया। इस पूरी शांतिपूर्ण बेदखली कार्रवाई के दौरान राजस्व निरीक्षक धमधा, राजस्व निरीक्षक पेण्ड्रावन, हल्का पटवारी और ग्राम पंचायत सचिव मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

प्रशासन की इस त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई से ग्रामीणों में हर्ष का माहौल है और शासकीय संपत्तियों को सुरक्षित करने के इस कदम की सराहना की जा रही है।

वार्डों में विकास कार्यों की सौगात, महापौर ने किया लाखो के जनहितकारी कार्यों का भूमिपूजन

नाली, पुलिया एवं सड़क निर्माण से नागरिकों को मिलेगी बेहतर मूलभूत सुविधाएं

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में विकास कार्यों को गति देते हुए महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, शेखर चन्द्राकर, पार्षद बबिता गुड्डू यादव, पार्षद गुलशन साहू, पार्षद पायल पाटिल,रंजीता पाटिल, अनूप पाटिल,उपअभियंता अपर्णा मिश्रा,मंडल अध्यक्ष हरीश चौहान एवं बड़ी संख्या में उपस्थित वार्डवासियों के बीच विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इस दौरान वार्ड क्रमांक 29 अस्पताल वार्ड, वार्ड क्रमांक 24 आमदी मंदिर वार्ड तथा वार्ड क्रमांक 52 बोरसी क्षेत्र में नाली, पुलिया, सड़क सीमेंटीकरण एवं मुक्तिधाम जीर्णोद्धार सहित अनेक विकास कार्यों की आधारशिला रखी गई। वार्ड क्रमांक 29 अस्पताल वार्ड में भागीरथ के घर से मदन यादव के घर तक विभिन्न स्थानों पर नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इसके अलावा सिद्धेश्वर शिव मंदिर से फरिस्ता कॉम्प्लेक्स, लाला जियो सेंटर होते हुए

बबली कॉर्नर तक नाली निर्माण कार्य प्रारंभ करने की घोषणा की गई। वहीं वार्ड क्रमांक 24 आमदी मंदिर वार्ड में भी नाली एवं पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर नागरिकों को बेहतर जल निकासी सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।बोरसी मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार सहित अनेक विकास कार्यों का शुभारंभ-कार्यक्रम के दौरान वार्ड क्रमांक 52 बोरसी स्थित मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार कार्य का भी विधिवत भूमिपूजन किया गया। इसके साथ ही डॉ. गोमास्ता के घर से एस.डी. विश्वकर्मा के घर तक सड़क सीमेंटीकरण एवं नाली निर्माण कार्य तथा महावीर खेल मैदान से बिजली ऑफिस होते हुए द्वारिकापुरी की ओर नाली निर्माण कार्य की आधारशिला रखी गई। उपस्थित नागरिकों ने क्षेत्र में लंबे समय से अपेक्षित इन विकास कार्यों के लिए महापौर एवं निगम प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

शहर के समग्र विकास के लिए निगम प्रतिबद्ध : महापौर

इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करते हुए नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि जल निकासी, सड़क, पुलिया एवं सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है, जिससे लोगों को आवागमन एवं दैनिक जीवन में आने वाली समस्याओं से राहत मिलेगी। महापौर ने कहा कि निगम क्षेत्र के सभी वार्डों में जनआवश्यकता के अनुरूप विकास कार्य निरंतर कराए जा रहे हैं तथा शहर के समग्र एवं संतुलित विकास के लिए निगम पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, स्थानीय नागरिकों एवं निगम अधिकारियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। नागरिकों ने क्षेत्र में विकास कार्यों की शुरुआत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए निगम प्रशासन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वस्थ जीवन का मंत्र बना योगः मंगल भवन में किया सामूहिक योगाभ्यास

भिलाई। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नगर निगम भिलाई-चरोदा द्वारा मंगल भवन परिसर में स्वस्थ आयु के लिए योग विषय पर भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, निगम कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योगाभ्यास किया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। योग शिविर में प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया गया। साथ ही योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की विस्तृत जानकारी देते हुए नियमित योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने पर जोर दिया गया। प्रशिक्षकों ने बताया कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक तनाव को दूर कर जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और संतुलन भी प्रदान करता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान भागदौड़ भरे जीवन में योग स्वस्थ और निरोग रहने का सबसे प्रभावी माध्यम है। नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को रोगों से दूर रखने के साथ-साथ आत्मिक शांति और मानसिक मजबूती भी प्रदान करता है। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू, दिलीप पटेल, परिषद में नेता प्रतिपक्ष खिलावन वर्मा, वरिष्ठ पार्षद फिरोज फारुकी सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ सिख समाज ने सुपेला गुरुद्वारा में पारसीवनी में बनने जा रहे गुरु तेग बहादुर, गुरु विरासत धाम के लिए दिखाई एकजुटता

भिलाई। गुरू तेग बहादुर जी के 350 वें शहीदी शताब्दी वर्ष के अवसर पर शहीद बाबा दीपसिंग गुरूद्वारा भिलाई सुपेला छत्तीसगढ़ में विशेष बैठक संपन्न हुई। बैठक का उद्देश्य महाराष्ट्र के नागपुर जिला के पारसीवनी (रामटेक) क्षेत्र में प्रस्तावित श्री गुरू तेग बहादुर गुरू विरासत धाम परियोजना (विश्व रिकॉर्ड) तथा विश्व के सबसे ऊँचे प्रस्तावित 350 फिट निशान साहिब के सम्बन्ध में जागरूकता फैलाना था। बैठक में छत्तीसगढ़ के विभिन्न गुरुद्वारों के प्रधान प्रबंधक, कमेटी सदस्य, सेवादार तथा सिख समाज के लोग उपस्थित थे। यह बैठक का नेतृत्व गुरमीत सिंह खोकर (नागपुर), यूथ वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा किया गया। बैठक में बाबुल डे (संयुक्त सचिव), मनीष पाटिल (संकल्पना) व छत्तीसगढ़ से सर्व राहुल सिंग परिहार (छः गः प्रदेश अध्यक्ष), नालंद रामटेके (सचिव), रविकांत वर्मा (कार्यकारिणी सदस्य),

रामकुमार (कार्य. सदस्य), अजय मेश्राम (कार्य. सदस्य), रामकुमार गुजर (कार्य. सदस्य), कमल गुप्ता (कार्य. सदस्य) आदि उपस्थित थे। बैठक में उपस्थित गुरूद्वारा प्रबंधकों एवं सिख समाज के प्रतिनिधियों ने परियोजना को गुरू साहिब कि महान विरासत से जुड़ा ऐतिहासिक प्रयास बताते हुए इसका स्वागत किया। छत्तीसगढ़ को विभिन्न गुरुद्वारों के प्रतिनिधियों ने इस ऐतिहासिक पहल को समाज की आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया, जो कि इतिहास के रूप में जाना/पहचाना जाएगा। विशेष रूप से यह संदेश सामने आया कि जब छत्तीसगढ़ के सिख समाज महाराष्ट्र में बनने वाले इस ऐतिहासिक प्रकल्प के लिए एकजुट होकर समर्थन व्यक्त कर रहे हैं। तब महाराष्ट्र सहित देश/विदेश के सिख समाज को भी इस महान मिशन में बढ़चढ़ कर सहभागिता निभानी चाहिए।बैठक में उपस्थित छत्तीसगढ़ भिलाई (सुपेला) के विभिन्न गुरुद्वारों के प्रधान, सेवादार व सदस्य कुलदीप सिंह, हरपाल सिंह, बलविंदर सिंह, कुलवंत सिंह, तेजेंदर सिंह, गुरमीत सिंह, पलवंदर सिंह, भूपेंदर सिंह, गुरमेल सिंह, प्रजोत सिंह, आदि उपस्थित थे।

चावल पापड़ उद्योग से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ती हुई ग्रामीण महिलाएं

दुर्ग। जिले के ग्राम पंचायत ननकट्ठी की विद्यावती चौधरी ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का प्रतीक बन चुकी हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़कर उन्होंने न केवल अपने जीवन को नई दिशा दी, बल्कि गांव की अनेक महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने का मार्ग दिखाया। आराध्या स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष एवं एफएलसीआरपी के रूप में कार्यरत विद्यावती चौधरी ने समूह की बचत एवं ऋण राशि का उपयोग करते हुए चावल पापड़ निर्माण और सिलाई केंद्र की शुरुआत की। प्रारंभ में यह कार्य छोटे स्तर पर शुरू हुआ, जहां समूह की महिलाएं घर-आंगन में मिलकर पापड़ तैयार करती थीं। सीमित संसाधनों के बावजूद महिलाओं ने मेहनत, लगन और गुणवत्ता को अपनी सबसे बड़ी ताकत बनाया। प्रतिदिन महिलाएं एकत्रित होकर चावल पापड़ तैयार करती हैं। सामूहिक श्रम और बेहतर

गुणवत्ता के कारण उनके उत्पादों की मांग लगातार बढ़ती गई। धीरे-धीरे उनका छोटा प्रयास एक सफल उद्यम में बदल गया। आज समूह द्वारा तैयार किए गए पापड़ स्थानीय बाजारों में अपनी पहचान बना चुके हैं और प्रतिमाह हजारों रुपये का कारोबार हो रहा है। इस उद्यम ने समूह की महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। नियमित आय मिलने से परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और घरेलू जरूरतों की पूर्ति अब अधिक आसानी से हो रही है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे अपने निर्णय स्वयं लेने में सक्षम हुई हैं। विद्यावती चौधरी की सफलता केवल आर्थिक उपलब्धि तक सीमित नहीं है। उन्होंने यह सिद्ध किया है कि यदि महिलाओं को सही मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और अवसर मिले तो वे सामूहिक प्रयासों से बड़े बदलाव ला सकती हैं। आज ननकट्ठी की महिलाएं अपने उत्पादों के साथ गर्व से खड़ी हैं और गांव में महिला सशक्तिकरण की नई पहचान बन चुकी हैं। ग्राम ननकट्ठी की स्व सहायता समूह, सामूहिक मेहनत और बिहान के सहयोग से ग्रामीण महिलाएं भी आत्मनिर्भर बनकर लखपति दीदी बनने का सपना साकार कर रही हैं।

आयुक्त ने परामर्शदात्री समिति की बैठक में विभिन्न मांगों पर की चर्चा

दुर्ग। नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के चेम्बर में स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजय मिश्रा एवं महामंत्री अनिल सिंह एवं संघ के पदाधिकारी की मौजूदगी में परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई।इस अवसर पर ईश्वर वर्मा,शशिकान्त यादव,शानू कोठारी, रेखा कुर्रे, हेमलता वर्मा,किरण अग्रवाल सहित यूनियन के पदाधिकारी गण मौजूद रहें। बैठक में कर्मचारी हितों से जुड़े विभिन्न एजेंडों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई तथा आवश्यक कार्यवाही के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए। बैठक में कर्मचारी संघ पदाधिकारियों ने बताया कि लगातार कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने से निगम में कर्मचारियों की कमी उत्पन्न हो रही है, जिससे कार्यरत कर्मचारियों एवं अधिकारियों पर अतिरिक्त कार्यभार बढ़

रहा है। इस समस्या के समाधान हेतु शासन को अवगत कराते हुए नियमित भर्ती के लिए प्रस्ताव प्रेषित करने की मांग की गई। साथ ही कार्य समय पर पूर्ण नहीं होने के आधार पर वेतन एवं वार्षिक वेतन वृद्धि रोके जाने की कार्रवाई को अनुचित बताते हुए ऐसे आदेशों पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया गया। बैठक में निगम परिसर में सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने, शासकीय अवकाश के दिनों में कार्य लेने की स्थिति में कर्मचारियों को नियमानुसार वेतन अथवा प्रतिपूरक अवकाश प्रदान करने तथा तीन वर्ष से अधिक समय से एक ही स्थान पर कार्यरत कर्मचारियों के स्थानांतरण संबंधी विषयों पर भी चर्चा हुई। एनपीएस के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों के परिवारों को मृत्यु की स्थिति में उपादान एवं परिवार पेंशन का लाभ समय पर उपलब्ध कराने, एनपीएस/ जीपीएस की राशि नियमित रूप से जमा कराने तथा कर्मचारियों के एनपीएस खातों के संधारण एवं जमा राशि की जानकारी शासन स्तर से प्राप्त करने संबंधी मांगें भी प्रमुखता से रखी गई। आयुक्त ने सभी बिंदुओं पर आवश्यक परीक्षण एवं नियमानुसार कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

बम्हनीडीह में विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव का हुआ आयोजन

नवप्रवेशी विद्यार्थियों का उत्साहपूर्ण स्वागत

जांजगीर-चांपा। बम्हनीडीह विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कायक्रम में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल बम्हनीडीह, शा नवीन प्राथमिक शाला भागोडीह, शा प्राथमिक शाला बम्हनीडीह शा पूर्व माध्यमिक शाला बम्हनीडीह, शा पूर्व माध्यमिक शाला खपरीडीह के नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर तथा निःशुल्क पाठ्यपुस्तक, गणवेश वितरित कर एवं सरस्वती सायकल योजना अंतर्गत निशुल्क सायकल वितरण किया गया आत्मीय स्वागत किया गया। विकासखंड स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गगन जयपुरिया,उपाध्यक्ष जिला पंचायत जांजगीर चांपा, विशिष्ट अतिथि के रूप में आशा साव सभापति जिला पंचायत जांजगीर चांपा, तुषार जायसवाल जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि, पार्षद अंजली नवीन सराफ पार्षद नेक मोहम्मद खान, पार्षद भूपेंद्र डड़सेना, पार्षद मोहन डडसेना, पार्षद आदित्य वस्त्रकार, पार्षद प्रतिनिधि राहुल सिंघानिया, पार्षद संतोष पटेल,पार्षद रमेश

पटेल, पार्षद उमेश पटेल, पार्षद गणेश अजगल्ले,पार्षद राजेंद्र जायसवाल, विशाल सराफ ओमप्रकाश साहू, मीडिया से नवीन सराफ आकाश वैष्णव महेंद्र डडसेना, साहिल राज लहरे मंचस्थ थे। अतिथियों का स्वागत बीईओ रत्ना थवाईत, बीआरसी हिरेंद्र बेहार, सेजस प्राचार्य बजरंग श्रीवास, परमेश्वर राठौर, मोहन यादव, शिव पटेल, डीपी राठौर, गोविंद सूर्यवंशी, सोनू देवांगन, भेनुका जोशी, मोनल दिग्धसकर, घनश्याम राम, नेहरू पटेल ने किया। राष्ट्र निर्माता के रूप में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। आप केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाते, बल्कि एक पीढ़ी का निर्माण करते हैं। आप सभी नियमित स्कूल जावे तथा गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देवे। जिला पंचायत के सभापति सु आशा साव ने अपने संबोधन में कहा शाला प्रवेशोत्सवः नए संकल्प और नई उमंग का उत्सव - उन्होंने सभी शिक्षक गण और विद्यार्थियों से कहा शिक्षा केवल अक्षरों का ज्ञान नहीं, बल्कि जीवन को गढ़ने का आधार है। नया शैक्षणिक सत्र हमारे लिए नए अवसर, नई चुनौतियाँ और नए सपने लेकर आया है। 'शाला प्रवेशोत्सव' केवल बच्चों के स्कूल आने का दिन नहीं है, बल्कि यह हमारे राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखने का महापर्व है।

जिले में 'भीम का मैंगो' आइस कैंडी के विक्रय पर प्रतिबंध

दुर्ग। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने 'भीम का मैंगो (पैक्ड) ग्रीन कलर (मैंगो आईस कैंडी)' के विक्रय पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह कार्रवाई नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देश पर की गई है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त उत्पाद का नमूना मानकता जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया था। खाद्य विश्लेषक द्वारा जारी जांच प्रतिवेदन में संबंधित उत्पाद को असुरक्षित घोषित किया गया है। इसके बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 तथा विनियम 2011 के तहत उक्त खाद्य पदार्थ/पेय पदार्थ के उक्त बैच नम्बर के विक्रय पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए गए हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने जिले के सभी कैंडी विक्रेताओं को निर्देशित किया है कि वे उक्त उत्पाद का विक्रय न करें। निरीक्षण के दौरान प्रतिबंधित उत्पाद की बिक्री करते पाए जाने पर संबंधित विक्रेता अथवा फर्म के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से भी अपील की है कि वे स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रतिबंधित उत्पाद का उपयोग न करें तथा इसकी बिक्री की जानकारी मिलने पर प्रशासन को सूचित करें।

स्वत्वाधिकारी , प्रकाशक, एवं मुद्रक ज्वाला प्रसाद अग्रवाल द्वारा असमा पब्लिशर्स प्रा. लि. जयस्तंभ चौक, रायपुर, पिन - 492001 छत्तीसगढ़ से मुद्रित एवं झुलेलाल मंदिर के पीछे, पाटनकर कालोनी, सिंधी कालोनी, दुर्ग पिन- 491001 (छ.ग.) से प्रकाशित।
संपादक - ज्वाला प्रसाद अग्रवाल । e mail - jwalaexpress@gmail.com , मोबाईल- 9993590905, 7000489995